चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 286 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
13 अप्रैल 2025 रविवार

आज का मौसम
37 अधिकतम
21 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

आज मप्र के 24 जिलों में बारिश-आंधी का अलर्ट

भोपाल, एजेंसी

मौसम विभाग ने आज मप्र,उप्र, बिहार सहित 17 राज्यों में आंधी-बारिश और तूफान का अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में धूलभरी आंधी की चेतावनी है। इसका असर दिल्ली तक देखने को मिल सकता है। राजस्थान में कल बिजली-आंधी से 2 लोगों की मौत हो गई है। बिजली की चपेट में आने से खेत में काम कर रही एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग झुलस गए। वहीं, सिरोही में देर रात तेज आंधी के चलते पेड़ गिरने से एक महिला की जान चली गई। उप्र में आज 47 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश होगी। बिहार में आज पटना समेत 24 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। मप्र के 24 जिलों में बारिश की संभावना है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ की सक्रियता घटने के बाद ही अब तेज गर्मी का असर शुरू होगा।

वक्फ को लेकर हिंसा में 3 मौत, जमीयत की बैठक

कोलकाता, एजेंसी

वक्फ कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद, नॉर्थ 24 परगना, हुगली और मालदा जिलों में हिंसक विरोध प्रदर्शन से तनाव है। वाहनों को आग लगाने और दुकानों-घरों में तोड़फोड़ कर लूट भी की गई है। अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। 15 पुलिसकर्मी घायल हैं। 138 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। वहीं केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल के हिंसाग्रस्त इलाकों में 1600 जवान तैनात किए हैं। केंद्रीय सचिव ने इन मामलों पर बंगाल के मुख्यसचिव व डीजीपी से भी बात की है। इस हिंसा में हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां बनाने वालों की मौत हुई है। इधर, नए वक्फ कानून को लेकर दिल्ली में जमीयत उलेमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति की बैठक शुरू हो गई है। वहीं एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी आज कानून पर प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेंगे।

पहाड़ से टकराकर वाल्वो बस पलटी, तीस घायल

चंडीगढ़, एजेंसी

आज तड़के चंडीगढ़-मनाली हाईवे पर मंडी से पंडोह के बीच चार मिल के पास दिल्ली से कसोल जा रही एक वोल्वो बस पहाड़ी से टकराकर सड़क पर पलट गई। बस में लगभग 38 यात्री सवार थे, जिनमें से करीब 30 लोग घायल हुए हैं। घायलों में से छह को जोनल अस्पताल मंडी में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। दो यात्रियों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें मंडी अस्पताल से नेरचौक मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। शेष यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। प्रारंभिक जांच में दुर्घटना का कारण बस की तेज रफ्तार बताया जा रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव कार्य शुरू किया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

टेकओवर : मप्र के दुग्ध संयंत्रों का संचालन अगले 5 साल एनडीडीबी को सौंपने एमओयू

अब सांची दूध की खरीदी-बिक्री व दाम तय करेगा केंद्रीय डेयरी बोर्ड

भोपाल,दोपहर मेट्रो।

मप्र में एक बडे बदलाव और नई शुरुआत के तहत केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह व सीएम मोहन यादव की मौजूदगी में मप्र दुग्ध संघ और नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के बीच एमओयू हो रहा है। इसके साथ ही मप्र के छह दुग्ध संघों और एनडीडीबी के बीच छह अलग-अलग एमओयू होंगे और मप्र के डेयरी संयंत्रों का कामकाज एनडीडीबी के हाथ चला जाएगा। यह अनुबंध 5 साल के लिए होगा।

हालांकि मप्र में सांची ब्रांड का नाम नहीं बदला जाएगा। एनडीडीबी और दुग्ध संघ के बीच हुए करार के बाद मप्र में दुग्ध सहकारी समितियों की संख्या 6 हज़ार से बढ़ाकर 9 हजार हो जाएगी। एनडीडीबी मप्र में दुग्ध उत्पादन क्षमता को 20 लाख लीटर तक ले जाएगा। 5 साल के प्रोजेक्ट के लिए 1447 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है। आज इस मौके पर सहकारिता सम्मेलन हो रहा है और विभिन्न क्षेत्रों में किए गए कामों और योजनाओं को प्रदर्शित किया जा रहा है।

इस टेकओवर का असर यह होगा कि सांची दूध के खरीदी व बिक्री दाम राज्य शासन की सहकारी संस्थाएं तय नहीं कर सकेंगी, यह एनडीडीबी तय करेगा। राज्य शासन इसमें अपना मत दे सकेगा। आम लोगों को इस टेकओवर से तुरंत कोई लाभ या नुकसान नहीं होगा, बल्कि सरकार के दावे के अनुरूप काम हुए तो भविष्य में आम उपभोक्ताओं के लिए दूध सस्ता हो सकता है, किसानों से खरीदी दाम बढ़ेंगे, जिन्हें लाभ होगा। दुग्ध संघों, समितियों व संयंत्रों के विस्तार से युवाओं को रोजगार मिलेगा।

सरकार ने सभी दुग्ध संघों के सीईओ बदले

मप्र के सहकारी दुग्ध संघों, दुग्ध उत्पादन समितियों व संयंत्रों के टेकओवर से पहले राज्य सरकार ने प्रदेश के सभी 6 सहकारी दुग्ध संघों के सीईओ बदल दिए हैं। इनकी जगह एनडीडीबी के सीईओ के अफसरों को सीईओ बनाकर भेजा जा रहा है। इस टेकओवर के बाद पुराने सीईओ से चार्ज लेंगे। इस तरह दुग्ध संघों, समितियों, संयंत्रों का पूरा प्रबंधन एनडीडीबी के अधीन चला जाएगा। अब भोपाल सहकारी दुग्ध संघ में सीईओ प्रतेश जोशी, इंदौर के बलवीर शर्मा, उज्जैन के धनराज खत्री, जबलपुर के राहुल त्रिपाठी, बुंदेलखंड के संजय कुमार यादव और ग्वालियर सहकारी दुग्ध संघ के सीईओ मोहम्मद राशिद को बनाया है। इन सहकारी दुग्ध संघों के सीईओ रहे आरपीएस तिवारी, दीपक कुमार शर्मा, डीके पांडे, अरुण कुमार चौधरी, हेमराज सिंह पटेल और एमके धाकड़ को उनके मूल पदों पर भेज दिया है। अब तक स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन इन सभी सहकारी दुग्ध संघों पर नियंत्रण रखने वाली शीर्ष सहकारी संस्था रही है। जिसके एमडी वर्तमान में सतेंद्र सिंह है, इन्हें भी बदला जाएगा। यहां एनडीडीबी के अफसर की नियुक्ति होगी।

अमेरिका में अब 24 घंटे पहचान पत्र लेकर चलना होगा अप्रवासियों को

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के नए नियम से अमेरिका में रह रहे अप्रवासियों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। दरअसल अब सभी अप्रवासियों को 24 घंटे अपने कानूनी दस्तावेज और पहचान पत्र साथ रखने होंगे। राष्ट्रपति ट्रंप का नया कार्यकारी आदेश 'अतिक्रमण से अमेरिकी लोगों की सुरक्षा' कल से लागू हो गया है। इसका उद्देश्य अमेरिका में रह रहे अवैध अप्रवासियों को पकड़ना और उन्हें निर्वासित करना है। अमेरिका में एलियन रजिस्ट्रेशन रिक्वायरमेंट कानून साल 1940 से मौजूद है, जिसके तहत अमेरिका में रहने वाले सभी अप्रवासियों को पंजीकरण कराना होता है, लेकिन अभी तक इस कानून का सख्ती से पालन नहीं हो रहा था। अब आदेश के बाद इस कानून का सख्ती से पालन किया जाएगा। व्हाइट हाउस ने कहा है कि

नए आदेश से हलचल

सभी अवैध अप्रवासी, जो 30 दिन से ज्यादा अमेरिका में रह रहे हैं, उन्हें खुद को संघीय सरकार के समक्ष पंजीकृत कराना होगा। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो अवैध अप्रवासियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और जुर्माना लगाकर निर्वासित कर दिया जाएगा।

राणा के वाइस सैंपल लेने की तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी

मुंबई हमले के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा से एनआईए की पूछताछ में कई अहम जानकारी मिलने की खबरें हैं। राणा के वॉइस सैंपल लेने की भी तैयारी जारी है ताकि उन वॉइस सैंपल से यह पता चल सके कि मुंबई हमले के वक्त तहव्वुर राणा तो आतंकियों के संपर्क में नहीं था। एनआईए राणा से दुबई लिंक को लेकर पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि तहव्वुर राणा ने साल 2008 में दुबई में किस व्यक्ति से मुलाकात की थी। एनआईए को शक है कि दुबई के उस व्यक्ति को भी मुंबई हमले की जानकारी हो सकती है। मुंबई हमले में 166 लोगों की जान चली गई थी। हालांकि वॉइस सैंपल लेने के लिए तहव्वुर राणा की सहमति जरूरी है। अगर राणा सैंपल देने से इनकार कर देता है तो एनआईए को सैंपल लेने के लिए अदालत की मंजूरी लेनी होगी। हालांकि एनआईए चार्जशीट में अगर तहव्वुर राणा के वॉइस सैंपल नहीं देने की बात को भी दर्ज करेगी तो इससे बाद में तहव्वुर राणा की मुश्किलें बढ़ जाएंगी।

राणा पाकिस्तानी सेना में डॉक्टर रहा, कनाडाई नागरिकः 64 साल का तहव्वुर राणा पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक है। राणा पाकिस्तानी सेना में डॉक्टर के तौर पर काम करता था। इसके बाद वह 1997 में कनाडा चला गया और वहां इमिग्रेशन सर्विसेस देने वाले बिजनेसमैन के तौर पर काम शुरू किया। कनाडा से वह अमेरिका पहुंचा और शिकागो सहित कई लोकेशंस पर फर्स्ट वर्ल्ड इमिग्रेशन सर्विसेज नाम से कंसल्टेंसी फर्म खोली। अमेरिकी कोर्ट के दस्तावेजों के मुताबिक, राणा कई बार कनाडा, पाकिस्तान, जर्मनी और इंग्लैंड भी गया था।

इस महीने 'लाडली बहना' की किश्त नहीं पहुंचने पर छिड़ी बहस

भोपाल। मप्र में विधानसभा चुनाव से पहले शुरू की गई 'लाडली बहना योजना' की इस महीने की किस्त अब तक लाभार्थी महिलाओं के खातों में नहीं पहुंची है। तय तिथि गुजर जाने के बाद भी राशि न आने पर कांग्रेस ने सवाल खड़े किए हैं। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी सहित पार्टी के अन्य नेताओं ने इसे सरकार की वादाखिलाफी बताया है। वहीं, भाजपा नेताओं का कहना है कि योजना के तहत हर महीने किस्त समय पर दी जाती रही है। जल्द ही इस बार की राशि भी ट्रांसफर कर दी जाएगी। मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि लाडली बहना योजना की राशि हर महीने जा रही है। सभी के खातों में लाडली बहना की राशि डाली जाएगी। कोई किस्त नहीं रूकेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सराहा विक्रमादित्य महानाट्य का मंचन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव की पहल पर दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला मैदान में शुरू हुए तीन दिवसीय %सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य% और इससे जुड़ी प्रदर्शनियों के आयोजन की सराहना की है। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा है कि ÷मुझे खुशी है कि ऊर्जावान मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में इस महोत्सव के माध्यम से सम्राट विक्रमादित्य की गौरवगाथा और वैभव को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।÷ मोदी ने कार्यक्रम के आयोजकों एवं इसमें हिस्सा ले रहे देश के कलाकारों को आयोजन की सफलता की 0बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। मोदी ने संदेश में लिखा है कि युगपुरुष सम्राट विक्रमादित्य का शासनकाल जनकल्याण, सुशासन और सांस्कृतिक पुनरुत्थान के लिए जाना जाता है।

अगले सप्ताह तक सोने का भाव 1 लाख पर पहुंचेगा

नई दिल्ली। भारत समेत दुनियाभर में सोने की कीमतों में आग लगी हुई है। दिल्ली के सराफा बाजार में सोने की कीमत 6,250 रुपये प्रति 10 ग्राम उछल चुकी है। अभी सोना बढ़कर 96,450 रुपये प्रति 10 ग्राम समेत के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। जानकारों के मुताबिक यह तेजी जारी रहेगी और अगले एक हफ्ते में प्रति 10 ग्राम एक लाख रुपये पर पहुंच सकती है। सोना इस साल यानी 2025 में सोने ने अब तक 20 बार रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच चुका है। अमेरिका व चीन ट्रेड वार के बीच लोग सोने को सुरक्षित निवेश मान रहे हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की कीमत बढ़ गई है। इसका असर घरेलू बाजार पर भी दिख रहा है।

मेट्रो एंकर

आईपीएल में बीती रात तूफानी बल्लेबाजी करने वाले अभिषेक ने खोला राज

पर्ची पर दिल की बात लिखने के पीछे है कहानी...!

हैदराबाद, एजेंसी

आईपीएल के बीती रात के मैच मे तूफान मचा देने वाले अभिषेक शर्मा ने अब लगातार चार मैच में हार का सामना कर चुकी अपनी टीम सनराइजर्स हैदराबाद को चर्चित कर दिया है। पंजाब किंग्स के सामने टीम ने रिकॉर्ड जीत दर्ज की। इसके साथ ही टीम ने टूर्नामेंट में एक बार फिर वापसी के संकेत दे दिए। पंजाब किंग्स के सामने 246 रनों का पीछा करने उतरी हैदराबाद की टीम ने 9 गेंद शेष रहते इस मैच को जीत लिया और दो बहुमूल्य अंक अर्जित किए। खास बात यह है कि शतक के बाद अभिषेक ने जेब से पर्ची निकाल कर दर्शकों को दिखाई थी अब तक इसकी चर्चा है। अब अभिषेक ने कहा है कि - आमतौर पर मैं सुबह उठता हूं और कुछ लिखता हूं। आज मेरे मन में एक विचार आया कि अगर मैं आज कुछ करता हूं, तो वह ऑरेंज आर्मी के लिए होगा। आज मेरा दिन था मैंने इसे आज लिखा और मेरे बल्ले से यह पारी निकली। उन्होंने अपनी जेब से जो पर्ची निकाली उस लिखा था, यह ऑरेंज आर्मी के लिए है। अभिषेक ने इस मैच में आने वाले दबाव के बारे में खुलकर कहा कि- अगर मैं कहूं दबाव नहीं था, तो यह झूठ होगा। जाहिर है, अगर आप 3-4 पारियों तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं तो दबाव होता ही है। खासकर अगर आप मैच हार रहे हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि टीम में हर व्यक्ति पर थोड़ा दबाव होता है। हम चार मैच लगातार हार चुके थे। लेकिन, सभी की मानसिकता सकारात्मक थी। क्योंकि हर कोई धमाकेदार प्रदर्शन का इंतजार कर रहा था। और सौभाग्य से हमें आज हमने शानदार प्रदर्शन किया।

आसमानी शॉट ने लूटा प्रतिद्वंदियों का दिल

अभिषेक ने सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड के साथ 171 रनों की शानदार साझेदारी को अंजाम दिया और आईपीएल करियर में अपना पहला शतक जड़ डाला। उन्होंने 141 रनों की पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। इस शानदार पारी को खेलने के बाद उन्होंने इस जीत को ऑरेंज आर्मी को समर्पित किया। यहां तक कि पंजाब टीम के समर्थक भी उनके सिक्स रन वाले शाट पर झूम उठे, प्रीति जिंदा भी तालियां बजातीं दिखीं और जब अभिषेक आउट हुए तो पंजाब टीम के बालर ने उनकी पीठ ठोकी।

सेना के अफसर को पुलिस ने बेरहमी से पीटा

पटना। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा में सेना के जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) अजीत कुमार और उनके परिवार को बिहार पुलिस द्वारा बेरहमी से पीटने के मामले ने तूल पकड लिया है। जब सूबेदार अजीत कुमार ने विरोध किया तो उसे गिरफ्तार तक कर लिया गया। सेना मुख्यालय ने इस पर कड़ी नाराजगी जताई है। सेना अधिकारियों ने बिहार के डीजीपी विनय कुमार से मुलाकात की और उनसे कार्रवाई की अपील की है। डीजीपी के आदेश पर तेल्हारा के थानेदार को निलंबित कर दिया गया है। आईजी स्तर के अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। बताते हैं कि अजीत छुट्टी पर घर आए थे।

बरखेड़ी फाटक ओवरब्रिज

भोपाल। बरखेड़ी फाटक रेलवे ओवरब्रिज का काम लगभग पूरा होने में है और जो तस्वीर सामने आई है वह हैरान कर रही है। ओवरब्रिज को एल शेप यानि 90 डिग्री के टर्न पर तैयार कर दिया। एक हिस्सा रेलवे पटरी के समानांतर ऊंचाई तक जाता है और और किसी फुटओवरब्रिज की तरह पटरी के उपर एल शेप बनाता हुआ 90 डिग्री में मुड़ जाता है। अप्रेल 2025 के आखिर तक ब्रिज को शुरू करना है और एल शेप में टर्न वाली स्थिति वाहन चालकों के लिए आपस टकराहट की आशंका पैदा कर रही है।

बीमा अस्पताल के हाल-बेहाल: मरीजों के वेटिंग रूम में लगे पंखे खराब, डॉक्टर के रूम में एसी चल रहे

मरीजों की हो रही फजीहत, इलाज कराने के लिए लग रहीं लंबी कतारें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भेल इलाके पर स्थित सोनागिरी बीमा अस्पताल में केंद्र सरकार के टेकओवर करने के दो साल बाद भी बेहतर सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। आलम यह है कि उन्हें छोटी सी छोटी समस्या के लिए भी परेशान होना पड़ रहा है। अभी हाल ही में डिस्पेंसरी को रूम नंबर 62 में शिफ्ट कर दिया गया है। जिसके बाद से मरीजों की परेशानी और बढ़ गई है। बता दें कि इसके पहले डिस्पेंसरी अस्पताल के अंदर ही संचालित हो रही थी। जिससे मरीजों को इतनी ज्यादा परेशानी नहीं हो रही थी, लेकिन अब जिमेदारों की अनदेखी की वजह से 500 मरीजों की रोजाना फजीहत हो रही है। ज्ञात हो कि बीमा अस्पताल की रोजाना ओपीडी 400 से 500 के बीच है। वहीं, आईपीडी में भी 200 से अधिक मरीज भर्ती और रेफर होते हैं। इसके साथ ही सैकड़ों मरीज रोजाना जांच के अस्पताल पहुंचते हैं। कतार में लगे मरीजों ने बताया कि उन्हें एक दिन जांच, दूसरे दिन रिपोर्ट के लिए आना पड़ता है।

मरीज के परिजनों का कहना है कि बीमा अस्पताल में मरीजों के इलाज के लिए बार-बार लाइन में लगने के लिए विवश होना पड़ रहा है,कई बार तो उन्हें तपती धूप में भी खड़े होने के लिए विवश होना पड़ रहा है। अस्पताल में मरीजों को अवकाश लेकर इलाज कराने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, कई बार तो जांच रिपोर्ट नहीं मिलने की दशा में दूसरे दिन भी अस्पताल के चक्कर लगाने पड़ते हैं। अस्पताल में परिजनों के लिए पंखे और कूलर तो दूर शुद्ध पेयजल की भी सुविधा नहीं है, जिमेदार अधिकारियों के कमरे में एसी लगे हुए हैं,ऐसे में अस्पताल में स्वस्थ्य व्यक्ति भी बदहाली की वजह से बीमार हो जाता है। बीमा अस्पताल में मरीजों को बेहतर इलाज नहीं मिल पा रहा है उन्हें छोटी-छोटी सुविधाओं के लिए भी परेशान होना पड़ रहा है। ऐसे में बदहाल स्वास्थ्य सुविधाओं का तुरंत सुधार कराया जाना चाहिए।

यह है प्रमुख समस्या

दरअसल, मरीजों को रजिस्ट्रेशन के पर्चे के लिए भी कतार में लगना पड़ रहा है। इसके बाद जांच के लिए रूम नंबर-62 में मरीजों को फिर से लाइन लगानी पड़ती है। इतना ही नहीं ओपीडी में भी मरीजों को कतार लगानी पड़ रही है। इसके अलावा इलाज कराने के लिए आए मरीजों के लिए न तो पंखे लगे हुए हैं और ना ही पानी पीने की व्यवस्था है। मरीजों की मानें तो उन्हें पंजीयन से लेकर इलाज तक सभी में कतार लगानी पड़ रही है। मरीजों के इलाज कराने के लिए 5-5 लाइन में लगकर अपना पूर्ण इलाज कराने के लिए विवश होना पड़ रहा है।

धूप में खड़े होकर निकाल रहे पर्चे

गौरतलब है कि शहरभर में मौसमी बीमारियों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है और तापमान भी वर्तमान में भी लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है वर्तमान में ही पारा 40 डिग्री के पार जा चुका है,लेकिन अस्पताल में मरीजों को बेहतर इलाज तो दूर बैठने की भी सुविधा नहीं है। इतना ही नहीं ज्यादा भीड़ होने पर मरीजों को तेज धूप में भी घंटों लाइन में खड़े होकर इलाज के पर्चे बनवाने पड़ रहे हैं। इसके अलावा मरीजों के वेटिंग रूम में लगे पंखे खराब और कूलर की व्यवस्था नहीं है। जबकि डॉक्टर अधिकारियों के रूम में एसी की सुविधा बनी हुई है।

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद दिग्विजय सिंह ने हनुमान जयंती पर शिवाजी नगर में मनोकामेश्वर शिव हनुमान मंदिर में पूजन आरती में हिस्सा लिया। इस मौके पर उनके साथ पूर्व विधायक पीसी शर्मा, पार्षद योगेंद्र सिंह चौहान और अन्य नागरिक मौजूद थे।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी के पदों पर फार्मासिस्ट की नियुक्ति की मांग

एमपीपीए ने लिखा केंद्रीय मंत्री नड्डा को पत्र, कहा- व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्राप्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एमपी फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अमित सिंह ठाकुर ने केंद्रीय स्वास्थ मंत्री जेपी नड्डा को पत्र लिखकर खाद्य सुरक्षा अधिकारी के पदों पर फार्मासिस्ट को भी सम्मिलित करने की मांग की है।?एसोसिएशन के प्रदेश मीडिया प्रभारी राजवीर त्यागी ने बताया कि हाल ही में इससे संबंधित एक ऑर्डिनेंस जारी किया गया था जिसमें फार्मासिस्ट संवर्ग को छो? कर अन्य सभी संवर्गों को पात्रता की श्रेणी में रखा गया है। लोक स्वास्थ एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा लोक सेवा आयोग के माध्यम से खाद्य सुरक्षा अधिकारी विज्ञापन के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु परीक्षा का आयोजन किया जाना है, जिसमें फार्मासिस्ट को वंचित रख दिया गया। जबकि पूरे देश में फार्मेसी कॉलेज फार्मेसी काउंसिल दिल्ली द्वारा बहुतायत संख्या में संचालित किए जाते हैं जिसमें दो वर्षीय डिप्लोमा और चार वर्ष का डिग्री कोर्स संचालित किया जाता है। जिनमें खाद्य सुरक्षा के अंतर्गत आने वाले सभी मुख्य विषयों का न केवल सैद्धांतिक अध्ययन करते हैं, बल्कि इनका व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्राप्त करते हैं। जिससे उन्हें खाद्य की गुणवत्ता,संरचना,विषाक्तता, विश्लेषण व स्वास्थ्य पर प्रभाव जैसे विषयों की गहन समझ होती है।

दुनियाभर में मनेगा एकता दिवस, बैरागढ़ में भी कैंप

24 को निरकांरी शाखाओं में रक्तदान शिविर

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत निरंकारी मिशन 24 अप्रैल, 2025 को मानव एकता दिवस का आयोजन करेगा। यह आयोजन दिल्ली के बुराड़ी स्थित ग्राउंड नंबर 8 के साथ-साथ देश की हर शाखा में भी किया जाएगा। बाबा गुरबचन सिंह और मिशन के प्रताप सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

संत निरंकारी मंडल के सचिव और समाज कल्याण विभाग के प्रभारी जोगिंदर सुखीजा यहां बताया है कि दुनिया भर में 500 से अधिक स्थानों पर संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में लगभग 50 हजार से अधिक रक्तदाता रक्तदान करेंगे।

दिल्ली में मुख्य कार्यक्रम बुराड़ी के ग्राउंड नंबर 8 में सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित किया जाएगा, जहाँ विभिन्न अस्पतालों के प्रशिक्षित डॉक्टर और इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी की टीम रक्त एकत्र करेगी। देश के अन्य राज्यों में भी स्थानीय अस्पतालों के डॉक्टर और नर्सें रक्तदान शिविरों में अपनी सेवाएं प्रदान करेंगी। सभी स्थानों पर सत्संग कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। गौरतलब है कि बाबा हरदेव सिंह जी द्वारा 1986 में शुरू की गई परोपकार की यह मुहिम आज एक महाअभियान के रूप में अपने चरम पर है। पिछले लगभग चार दशकों में, मिशन द्वारा आयोजित 8644 शिविरों में 14 लाख 05 हजार 177 यूनिट रक्त एकत्र किया गया है, जो मानव कल्याण के लिए समर्पित है। यह अभियान निरंकारी सतगुरु की शिक्षाओं का प्रतीक है और एक दिव्य संदेश देता है, जिससे हर व्यक्ति प्रेरणा लेकर अपने जीवन को सार्थक बना सकता है।

एनआईटीटीटीआर: देश भर से आए विद्वानों शोधार्थियों ने दी 5 विषयों पर 120 शोध पत्रों की प्रस्तुति

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) में आयोजित अखिल भारतीय शोध सम्मेलन का समापन शनिवार को हुआ। इस शोध सम्मेलन का विषय लोकमाता अहिल्याबाई राष्ट्र पुनरुत्थान की संकल्पना था, जिसके अंतर्गत 05 विषयों पर 120 शोध पत्रों की देश भर से आए विद्वानों और शोधार्थियों ने प्रस्तुति दी। समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यमंत्री कृष्णा गौर शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होने कहा की यह शोध सम्मेलन न केवल हमारे समृद्ध अतीत का स्मरण है, बल्कि यह एक वैचारिक नींव है, जो भविष्य की दिशा तय करने में सहायक सिद्ध होगी। लोकमाता अहिल्याबाई ने सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के सिद्धांत पर शासन करते हुए भारतीय प्रशासनिक आदर्शों को नया स्वरूप दिया। उनके शासन में सेवा ही साधना थी, और यही भावना आज के भारत के नव निर्माण की प्रेरणा बन सकती है। यह सम्मेलन लोकमाता अहिल्याबाई का स्मरण ही नहीं एक संकल्प है। प्रो. सचिन तिवारी, सचिव आयोजन समिति ने शोध सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रो. पी.के पुरोहित, समन्वयक आयोजन समिति ने आभार ज्ञापित कहा करते हुए कहा कि इस सम्मेलन में उत्पन्न हुए विचार, संवाद और शोध भारत में एक शैक्षणिक पुनर्जागरण की ओर प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर शोध पत्रों की सार पुस्तिका का विमोचन किया गया। सत्र के मुख्य वक्ता दीपक विस्पुते ने कहा कि शोधार्थी केवल वही न प? जो पाठ्यक्रम में है, बल्कि विषय के मूल में जाकर चिंतन करें, स्वतंत्र शोध करें। भारत की बौद्धिक परंपरा के साथ अतीत में जो छल हुआ है, उसे शोध और विचार के माध्यम से पुनः उजागर किया जाना चाहिए। उनके शासनकाल में मंदिरों का पुनर्निर्माण, धार्मिक स्थलों का संरक्षण, लोक-शिक्षा का विस्तार और समाज कल्याण के कार्यों को बहुत अधिक महत्व दिया गया।

इंटरनेशनल आफ्थैल्मिक हीरोज ऑफ इंडिया अवार्ड मिला डॉ. स्वाति

हिरदाराम नगर. सेवासदन नेत्र चिकित्सालय की रेटिना स्पेशलिस्ट डॉ. स्वाति साहू को विगत दिवस नई दिल्ली में एशिया प्रशांत नेत्र विज्ञान अकादमी कार्यक्रम में इंटरनेशनल आफ्थैल्मिक हीरोज ऑफ इंडिया अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉ. स्वाति को यह अवार्ड अभा नेत्र रोग सोसायटी द्वारा आयोजित इमेज प्रतियोगिता में विजेता बनने पर दिया। प्रतियोगिता में देश-विदेश के करीब 10 हजार नेत्र रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया। डॉ. स्वाति साहू सेवा सदन में रेटिना स्पेशलिस्ट हैं। कार्यक्रम में डॉ. समर कुमार बसाक प्रेसीडेंट, डॉ. पार्थ बिसवास एवं डॉ. जे.एस. टिटियाल वाइस प्रेसीडेंट, डॉ संतोष होनावर जनरल सेक्रेटरी, डॉ. नम्रता शर्मा चेयरमेन कम्युनिटी उपस्थित थे।

अंबेडकर की जयंती पर 200 प्रतिभा का सम्मान

हिरदाराम नगर. संस्कार वेलफेयर सोसाइटी द्वारा 14 अप्रैल को बाबा साहेब अंबेडकर के 134वें जन्म दिवस के अवसर पर हर साल की तरह इस साल भी हलालपुर स्थित सनसिटी गार्डन स्थित हाल में समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करने जा रही है। समाज के शिक्षा खेल और संगीत, नाट्य मंचन में अपना उत्कृष्ट स्थान रखने वाले छात्र-छात्राओं का कलाकारों का सम्मान किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यमंत्री कृष्णा गौर, विशिष्ठ अतिथि राज्यमंत्री धर्मेन्द्र लोधी, नगर निगम के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी उपस्थित रहेंगे। सोसाइटी हर साल 200 विद्यार्थियों का सम्मान करती है सोसाइटी विगत 15 सालों से ये सम्मान कार्यक्रम आयोजित कर रही है।

मेट्रो एंकर

देसी लेडी गागा यानी पिंकी मेदासानी के नाम रहा पहला दिन

सिंधी मेले का आगाज, सिंधी समाज ने सिंधियत का घोष किया

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सिंधी समाज को सबसे बड़ा उत्सवी समागम पारिवारिक सिंधी मेले का आगज सिंधियत का घोष करते हुए हुआ। मेले की शुरुआत भगवान झूलेलाल के बहराणे और हिंगलाज माता मंदिर और भगवान झूलन की आरती से हुई। इसके बाद, बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों सहित सभी आयु समूहों के प्रतिभागियों के साथ एक टैलेंट हंट शुरू हुआ। मेले का आयोजन सिंधी मेला समिति का 28वां आयोजन है, जिसका मीडिया पार्टनर पत्रिका है। मेले में सिंध में सिंधी समुदाय के जीवन जीने के तरीके को दर्शाया जाना खास आकर्षण था। देसी लेडी गागा यानी पिंकी मेदासानी ने मेले को ऊंचाइयां दीं।

पहले दिन आए अतिथि: मेले के पहले दिन करुणाधाम आश्रम के प्रमुख पीठाधीश गुरुदेव शांडिल्यजी और साई मनीष लालजी बतौर अतिथि शामिल हुए। दोनों ने मेले की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। लगातार 28 साल तक आयोजन के लिए मेला समिति की सराहना की। उन्होंने कहा, सिंधी समाज का यह सबसे ब?ा समागम है, जिसमें राजधानी के अलावा आसपास से आए लोग भी शामिल होते हैं। सिंधी समाज का उत्साह और उमंग देखने लायक होती हैं। किसी भी समाज की भव्यता उसकी संस्कृति और सभ्यता होती हैं। यह समागम समाज की एकजुटता को घोष करने वाला है।

अब तक का सफर बयां किया: इस अवसर पर सिंधी मेला समिति के संरक्षक और विधायक भगवानदास सबनानी, जयकिशन लालचंदानी, डॉ. राजानी, दीपक राजानी, अमर दावानी, सीमा सबनानी, शकुन देवरख्यानी, कार्तिका चावलानी (आगरा) और समुदाय के कई अन्य प्रतिष्ठित सदस्य और बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं। सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी और महासचिव नरेश तलरेजा ने मेले के अब तक के सफर को रखा। मेले में समाज के हर आयु वर्ग के लोग थिरकते नजर आए। गीत संगीत के साथ व्यंजनों का स्वाद भी लोगों ने लिया।

Ministry of Cooperation Government of India सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार | राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड | International Year of Cooperatives 2025 Cooperatives Build a Better World

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

सहकार से समृद्धि

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन

एवं

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड तथा मध्यप्रदेश सरकार के मध्य

सहकार्यता अनुबंध निष्पादन कार्यक्रम

डेयरी किसानों से दूध की खरीदी सुनिश्चित कर उनकी आय में वृद्धि की अहम पहल

मुख्य अतिथि
अमित शाह
केन्द्रीय मंत्री, गृह एवं सहकारिता मंत्रालय

गरिमामयी उपस्थिति
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

13 अप्रैल, 2025 | दोपहर 1:00 बजे | रवीन्द्र भवन, भोपाल

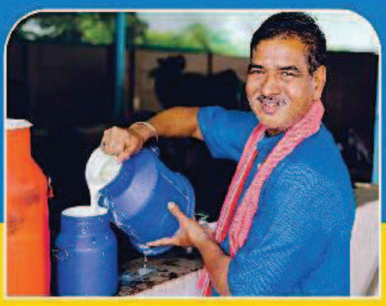

हर ग्राम पंचायत में डेयरी सहकारी समिति एवं कलेक्शन सेंटर होंगे स्थापित

- दुग्ध उत्पादकों को उनके **द्वार पर ही दूध विक्रय** की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी
- 6 हजार दुग्ध समितियों को बढ़ाकर 9 हजार एवं दुग्ध संकलन 10 लाख से 20 लाख लीटर प्रतिदिन करने का लक्ष्य। **18 हजार गांव होंगे लाभान्वित**
- को-ऑपरेटिव-पब्लिक-प्राइवेट-पार्टनरशिप (सीपीपीपी) के माध्यम से सहकारी समितियों को उपलब्ध कराये जायेंगे व्यवसाय के नए अवसर

साँची Sanchi

प्रदेश के साँची ब्रांड की पहचान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में कदम...

- ₹ 2500 करोड़ के निवेश लक्ष्य से प्रत्येक जिले में **साँची डेयरी** के साथ **मिल्क कूलर, मिनी डेयरी** एवं **चिलिंग सेंटर** खोले जायेंगे
- साँची डेयरी संयंत्रों की क्षमता में वृद्धि करते हुए 18 लाख लीटर प्रतिदिन से बढ़ाकर 30 लाख लीटर किया जायेगा
- **आय में वृद्धि**, डेयरी किसानों की आय ₹ 1700 करोड़ से बढ़ाकर ₹ 3500 करोड़ करने का लक्ष्य

₹ 787 करोड़ के निवेश से दुग्ध प्रसंस्करण के लिए विकसित होगी बुनियादी अवसंरचना

- दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु नवीन योजना **"डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना"** की स्वीकृति। योजना में 25 दुधारु पशुओं की ₹ 42 लाख तक लागत की डेयरी इकाई लगाने के लिए ऋण सहायता
- स्वावलंबी गौशालाओं की स्थापना की नीति - 2025 अंतर्गत प्रदेशभर में **पीपीपी मोड पर स्वावलंबी गौशाला** का निर्माण किया जाएगा
- गौशाला में प्रति गाय दी जाने वाली **₹ 20 की राशि बढ़ाकर ₹ 40** की गयी है

D11007/25

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents | @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh | @Cmmadhypradesh @jansamparkMP | JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2025

प्रपंचवटी से राहुल गांधी का कांग्रेस को सत्ता में लाने का दिवास्वप्न

■ आलोक मेहता

इंदिरा राज के दौरान 1973 -74 में गुजरात में असंतुष्ट कांग्रेसी कहते थे कि मुख्यमंत्री चिमनभाई पटेल अपने भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों की आवाज़ बंद करने के लिए 'प्रपंचवटी' में षड्यंत्र करते थे । चिमनभाई के मंत्रणा कक्ष को यही नाम दिया गया । कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेता राहुल गांधी उसी गुजरात से सत्ता की लड़ाई का एलान करते हुए अपने सलाहकारों से मंत्रणा कर पार्टी में असंतुष्टों को हटाने की घोषणा कर रहे हैं और इसका कारण मंदिर , हिंदुत्व जैसे मुद्दों पर उन लोगों के कुछ विचार भारतीय जनता पार्टी से मिलते जुलते हैं । राहुल गाँधी ने अहमदाबाद के कांग्रेस महाधिवेशन से पहले और बाद में भी बड़े बदलाव और भाजपा खसकर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध अभियान के लिए आक्रामक

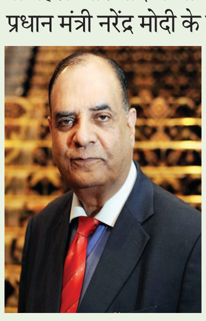

भाषण दिए । इसलिए गुजरात के पुराने कांग्रेसी या पत्रकार प्रपंचवटी को याद कर रहे हैं । वे यह भी याद दिला रहे कि इसी गुजरात सेक्ष चिमनभाई पटेल जैसे नेताओं के कारण कांग्रेस का पतन हुआ । सवाल यह है कि क्या राहुल गांधी के सलाहकार प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष भारत सिंह सोलंकी जैसे नेताओं को पार्टी से निकालना चाहते हैं ? तभी तो कांग्रेस महाधिवेशन के दौरान उन्हें कहीं सामने नहीं आने दिया । राहुल के सेनापति वेणुगोपाल भले ही नए हैं , लेकिन क्या सोनिया गाँधी और उनकी करीबी पुरानी सहयोगी अम्बिका सोनी तो जानती हैं कि भारत सिंह के पिता माधव सिंह सोलंकी ने न केवल गुजरात कांग्रेस में बल्कि केंद्र में विदेश मंत्री रहते बोफोर्स कांड सहित कई मामलों में गांधी परिवार की कितनी सहायता की थी । महाधिवेशन में प्रियंका गांधी की अनुपस्थिति को भी प्रपंचकारियों का षड्यंत्र माना जा रहा है । उन्हें यह भय लगा रहता है कि प्रियंका के रहने पर लोग राहुल गाँधी के प्रति अधिक न आशा रखते हैं और न कोई आकर्षण । कई तो उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष बनाने के नारे लगा देते हैं । सचमुच यह बहाना अजीब लगता है कि निजी विदेश यात्रा के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के कारण प्रियंका नहीं रही । क्या पार्टी के ऐतिहासिक महत्वपूर्ण सम्मेलन के लिए परिवार की एक जिम्मेदार सांसद अपने यात्रा टिकट नहीं बदल सकती हैं ? यही नहीं जिस वक्फ कानून में संशोधन के पारित होने पर राहुल आग उगल रहे हैं , उस प्रस्ताव पर मतदान के समय उनकी प्रिय बहन सांसद विरोध का वोट देने तक नहीं आई । वहां तो बड़ा भाई ही प्रतिपक्ष का नेता है । तो क्या प्रियंका भी सरकारी कानून से सहमत रही हैं । तो क्या उन पर भी अनुशासन कार्रवाई हो सकती है ?

कांग्रेस की कोशिश गुजरात की धरती से भारतीय जनता पार्टी, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सीधी चुनौती देने की रही है। पिछले महीने राहुल गांधी गुजरात की राजधानी अहमदाबाद में थे, तब उन्होंने कांग्रेस पार्टी के कुछ नेताओं पर भाजपा के लिए काम करने का आरोप लगाया था। राहुल गांधी ने अधिवेशन में दिए अपने भाषण में कहा कि कांग्रेस दलित, मुस्लिम व ब्राह्मण को साधती रही और अति पिछड़ा जातियां (ओबीसी) हमसे दूर चली गईं। यह और बात है कि एक समय कांग्रेस का नारा था कि न जात पर-न पात पर, इंदिरा जी की बात पर, मुहर लगेगी हाथ पर। ओबीसी को आरक्षण की सिफारिश करने वाले मंडल आयोग के विरोध में राहुल गांधी के पिता स्वर्गीय राजीव गांधी ने संसद में सबसे तीखा भाषण दिया था। आरक्षण का दायरा बढ़ाने के विरुद्ध इंटरव्यू दिए थे । धीरे धीरे पिछड़े , दलित , आदिवासी और मुस्लिम कांग्रेस से दूर होते गए और क्षेत्रीय पार्टियों में चले गए । वहीं ब्राह्मण क्षत्रिय और वणिक समुदाय राम मंदिर आंदोलन के बाद भाजपा के साथ अधिक जुड़ते चले गए। जहां-जहां क्षेत्रीय दल जैसे समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी सत्ता में आए, वहां मुस्लिम कांग्रेस से छिंटक गया। हालांकि, मुस्लिमों को दोबारा अपने साथ लाने की कांग्रेस की कोशिशें तेज हो रही हैं। राहुल गांधी कह रहे हैं कि मुस्लिम हितों को लेकर वो पीछे नहीं हटेंगे। यह और बात है कि यह कोशिशें उसके सहयोगी दलों को रास नहीं आ रही हैं। जम्मू कश्मीर के अनुच्छेद 370 को ख़त्म करने , नागरिकता संशोधन कानून और अब वक्फ संशोधन कानून पर कांग्रेस का रुख देश के बहुसंख्यकों को रास नहीं आया है। पिछले दिनों संपन्न प्रयागराज महाकुंभ और सद्गुरु के कार्यक्रम में शामिल होने पर जिस तरह से कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की पार्टी के अंदर से आलोचना हुई, उसने भी कांग्रेस को लेकर बहुसंख्यकों को निराश किया।

अहमदाबाद अधिवेशन प्रतीक के लिए सरदार वल्लभ भाई पटेल स्मृति स्थल पर हुआ और उनका नाम लेकर भाजपा संघ पर हमले किए गए । लेकिन गुजरात में ही सरदार पटेल के लिए बने विश्व के सबसे बड़े स्टैचू ऑफ यूनिटी को देखने आज तक राहुल गांधी नहीं गए हैं।कांग्रेस के नेता स्टैचू ऑफ यूनिटी पर जाने से परहेज करते हैं, क्योंकि इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनवाया है। सरदार पटेल की विरासत को अपने हाथों से जाता देख कांग्रेस परेशान भी है। गुजरात में पिछले तीन दशक से कांग्रेस पार्टी सत्ता से बाहर है। विगत् विधानसभा चुनाव में तो उसका अब तक का सबसे निराशाजनक प्रदर्शन रहा था। लोकसभा चुनाव में भी पार्टी को बहुत अधिक सफलता गुजरात में नहीं मिली, लेकिन राहुल गांधी को शायद लग रहा है कि गुजरात के रास्ते वह देश की सत्ता को पुनः हासिल कर सकते हैं। शायद राहुल गांधी गुजरात से नरेंद्र मोदी को सीधी चुनौती देकर अपने कथित विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों को बताना चाहते हैं कि वो गठबंधन में बड़े भाई की भूमिका में हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह भी है कि राहुल गाँधी और उनकी प्रपंच चौकड़ी संसद से सड़क तक जिन अम्बानी अडानी समूहों के विरुद्ध लगातार गंभीरतम हमले कर रही है , वे गुजराती ही हैं और उनके औद्योगिक समूहों से लाखों लोगों को रोजगार मिल रहा है और उनकी कंपनियों में करोड़ों रुपयों के शेयर भी लगे हुए हैं । यही नहीं अन्य उद्योगपति भी इस तरह की दबावी राजनीति से विचलित हैं । कांग्रेस की राजनीति को जानने वाले क्या यह भूल सकते हैं कि इन्ही अम्बानी अडानी , टाटा , बिरला , डालमिया , हिंदुजा समूहों ने ही कांग्रेस को अधिकाधिक मदद की , फंडिंग की , देश विदेश में बचाया । आखिरकार मिलिंद देवड़ा , जितिन प्रसाद , ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे नेता के परिवार ही तो इन समूहों से कांग्रेस को सहायता दिलाते थे । वह तो गनीमत है कि वे पुराने बहीखातों के राज नहीं खोल रहे हैं । मुस्लिम नेताओं में गुलाम नबी आज़ाद जैसे दिग्गज राहुल टीम से तंग आकर बाहर गए । सबसे वफादार अहमद पटेल की बेटी मुमताज को पिछले चुनाव में टिकट तक नहीं दिया और सीट केजरीवाल पार्टी को दे दी । बिहार में इसी साल चुनाव है , लेकिन पुराने कांग्रेसी नेता या कार्यकर्त्ता क्या तेजस्वी की पालकी उठाने को तैयार होंगे ? बिहार उत्तर प्रदेश आदि में वेणुगोपाल क्या किसी एक चुनाव क्षेत्र में किसीको जितवा सकते हैं ? दक्षिण में राजीव की हत्या में लिट्टे का साथ देने के आरोप तो सोनिया गाँधी की कांग्रेस ने लगाए और नरसिंघ राव को सहित पार्टी तुड़वा दी और हरवा दी । अब राहुल को उसी द्रमुक प्रिय है , लेकिन क्या दिल दिमाग से उसका साथ देंगें । इसलिए प्रपंचवटी से राहुल के सिंहासन का रास्ता कैसे निकलेगा ?

प्रकृति रक्षक, जंगलों का दोस्त

ग्रेट इंडियन हॉर्नबिल/धनेश

■ डॉ. रेखा रानी

कर्जत, मुंबई के एक फ़ार्महाउस में रहते हुए, आसमान में धनेश के जोड़े को उड़ते हुए देखा। उनकी उड़ान इतनी अद्भुत थी कि मंत्रमुग्ध हो गई। थोड़ी देर में यह जोड़ा पास के पेड़ पर बैठ गया, और उनके दृश्य ने आंखों को स्थिर कर लिया। बाद में पता चला कि इस पक्षी को स्थानीय आदिवासी लोग 'धनेश' या 'धन का पक्षी' कहते हैं और इसे देखना शुभ मानते हैं। यह पक्षी अपनी खूबसूरती के अलावा, जंगलों के पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाता है।

धनेश, जिसे ग्रेट इंडियन हॉर्नबिल भी कहा जाता है, महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट के घने जंगलों में पाया जाता है। इसकी सबसे खास विशेषता इसकी बड़ी और घुमावदार चोंच है, जो सींग जैसी दिखती है। यह विशेषता इसे अन्य पक्षियों से अलग बनाती है। धनेश का वजन 2 से 4 किलोग्राम और लंबाई 94 से 130 सेंटीमीटर तक होती है। नर पक्षी की आंखें लाल होती हैं, जबकि मादा की आंखें हल्के नीले-सफेद रंग की होती हैं। इसकी चोंच केवल भोजन इकट्ठा करने में मददगार नहीं होती, बल्कि साथी को आकर्षित करने में भी सहायक होती है।

धनेश मुख्य रूप से पश्चिमी घाट के घने वनों में पाया जाता है, जिसमें पुणे और मुंबई के जंगल भी शामिल हैं। यह ऊंचे पेड़ों के खोखले में घोसला बनाता है, जहां मादा अप्रैल से जून तक अंडे देती है। अंडे देने के बाद, वह घोसले में बंद हो जाती है और बच्चों की देखभाल करती है, जबकि नर पक्षी एक छोटे से छेद से उसे भोजन पहुंचाता है। धनेश मुख्य रूप से फल, बीज, छोटे जीव-जंतु और कीड़े-मकोड़े खाते हैं और विशेष रूप से अंजीर के फल को पसंद करते हैं। जीवनभर एक ही साथी के साथ वफादारी निभाने वाला यह पक्षी भावनात्मक रूप से विकसित है।

धनेश को जंगलों का किसान भी कहा जाता है क्योंकि यह बीजों के प्रसार में अहम भूमिका निभाता है, जिससे जंगलों में नए वृक्ष उगते रहते हैं और पारिस्थितिकी तंत्र संतुलित बना रहता है। इसके द्वारा किए गए बीज प्रसार से जंगलों में जैविक विविधता बनी रहती है। इसलिए, ग्रेट इंडियन हॉर्नबिल, यानी धनेश, जंगलों के सच्चे मित्र के रूप में जाना जाता है।

हालांकि, धनेश को भारत में शुभ और धनदायक माना जाता है, लेकिन यह असुरक्षित पक्षियों की श्रेणी में आता है। इसका शिकार मुख्य रूप से इसकी सुंदर सींग जैसी चोंच के लिए किया जाता है। अंधविश्वासों के कारण इस पक्षी की संख्या में लगातार गिरावट हो रही है।

धनेश के अस्तित्व को बचाने के लिए जागरूकता प्रसार और इसके प्राकृतिक आवासों की रक्षा करना आवश्यक है। यदि इसे बचाना चाहते हैं, तो हमें इसके संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। यह पक्षी न केवल पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह हमारी प्राकृतिक धरोहर भी है, जिसे हमें आने वाली पीढ़ियों तक संरक्षित रखना चाहिए।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं।)

जिजीविषा: ऋतुचित्त से हो चित्त स्थिर, क्या होगा अगर हम ऐसा कर सकें

■ अनन्या मिश्रा

क्या आपने कभी अनुभव किया है कि जैसे मौसम बदलता है, वैसे ही मन भी बदलता रहता है? कभी सुख, कभी दुःख, कभी प्रेम, कभी घृणा, हमारे भीतर यह उतार-चढ़ाव अनवरत चलते रहते हैं। ये बदलाव बाहरी मौसम के समान हैं, जो समय के साथ होते रहते हैं। हम जिन स्थितियों में होते हैं, उनसे हमारा मन भी प्रभावित होता है। लेकिन, क्या होगा अगर हम उस चंचल मन को स्थिर कर सकें? क्या होगा अगर हम भीतर से इतना सशक्त हो सकें कि कोई भी बाहरी परिस्थिति हमें हिला न सके?इससे जुड़ा एक अद्भुत सिद्धांत है जिसे हम ÷ऋतुचित्त÷ कहते हैं। ऋतुचित्त का अर्थ है, वह मानसिक अवस्था जहां मन बाहरी परिस्थितियों के प्रभाव से मुक्त हो जाता है। जब मन स्थिर होता है, तब वह किसी भी ऋतु (मौसम) की तरह अप्रभावित रहता है। जैसे गर्मी, सर्दी, या बारिश अपने समय पर आती हैं, वैसे ही मन की अवस्थाएं आती हैं, लेकिन एक स्थिर और साधक व्यक्ति उनके बीच भी शांत और स्थिर रहता है। यह स्थिति केवल संतों की नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति इसे पा सकता है, अगर वह सही मार्ग का अनुसरण करे।जीवन की यात्रा में, हम अक्सर बाहरी मौसमों के बदलाव को सहजता से स्वीकार कर लेते हैं- गर्मी की तपिश, वर्षा की फुहारें, शरद की ठंडक। लेकिन, जब बात हमारे आंतरिक मनोभावों की आती है, तो हम उन पर नियंत्रण पाने की चेष्टा में संघर्षरत रहते हैं। क्या हो यदि हम अपने मन को भी ऋतुओं की भांति स्वाभाविक रूप से प्रवाहित होने दें? यही विचार 'ऋतुचित्त' का है-एक ऐसा मन जो परिस्थिति के अनुसार सहजता से ढलता है, बिना किसी प्रतिरोध के।

कल्पना कीजिए, आप एक व्यस्त सड़क पर गाड़ी चला रहे हैं और अचानक कोई वाहन आपके सामने आ जाता है। स्वाभाविक प्रतिक्रिया हो सकती है क्रोध या झुंझलाहट। लेकिन, यदि आपका चित्त 'ऋतुचित्त' है, तो आप उस क्षण को एक परिवर्तनशील परिस्थिति के रूप में देखेंगे, अपनी भावनाओं को नियंत्रित करते हुए शांत रहेंगे। यह न केवल आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है, बल्कि आपके निर्णय लेने की क्षमता को भी प्रभावित करता है।

मनोविज्ञान के अनुसार, "Emotional Regulation" या भावनाओं का नियंत्रण, इस सिद्धांत से मेल खाता है। जब हम अपनी भावनाओं को नियंत्रित करना सीखते हैं, तो हम अपने चित्त को स्थिर कर पाते हैं। यदि, किसी दिन हमारा मन उदास है, तो हम उस उदासी को पहचानते हैं, लेकिन उसे अपनी पहचान नहीं बनने देते। हम जानते हैं कि यह सिर्फ एक ऋतु है, जो समय के साथ बदल जाएगी। इस तरह, हम अपने मन को बाहरी परिस्थितियों से अनावश्यक रूप से प्रभावित होने से बचाते हैं। भगवद्गीता में, श्रीकृष्ण अर्जुन को समत्व की शिक्षा देते हैं-समत्वं योग उच्यते—अर्थात, समता ही योग है। यह समता बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन की ओर संकेत करती है, जहां मन सुख-दुःख, लाभ-हानि, जय-पराजय में समान रहता है। यह अवस्था प्राप्त करने के लिए मनोविज्ञान में 'इमोशनल रेगुलेशन' या 'भावनात्मक नियंत्रण' का उल्लेख मिलता है, जो हमें अपनी भावनाओं को पहचानने, समझने और प्रबंधित करने की क्षमता प्रदान करता है। इसी प्रकार मनोविज्ञान में, 'कॉग्निटिव रीफ्रेमिंग' एक तकनीक है जिसमें हम किसी परिस्थिति को नए दृष्टिकोण से देखते हैं, जिससे हमारी भावनात्मक प्रतिक्रिया बदलती है। उदाहरण के लिए, यदि कोई सहकर्मी आपकी आलोचना करता है, तो इसे व्यक्तिगत आघात मानने के बजाय, इसे सुधार के अवसर के रूप में देखना 'कॉग्निटिव रीफ्रेमिंग' है। यह प्रक्रिया 'ऋतुचित्त' के विकास में सहायक होती है, जहां हम प्रत्येक परिस्थिति को एक नए अनुभव के रूप में स्वीकारते हैं।

ऋतुचित्त का अभ्यास जीवन में एक अद्वितीय शक्ति लाता है। सोचिए- सोशल मीडिया पर कितनी बार हम दूसरों के कमेंट्स या लाइक्स से अपनी मानसिक स्थिति को प्रभावित होते हैं। कभी हम खुश होते हैं, कभी निराश। कभी कुछ लोग हमारी तारीफ करते हैं, तो कभी कोई आलोचना करता है। लेकिन जब हमारे भीतर एक स्थिर चित्त होता है, तो न तारीफ से हमारा अहंकार बढ़ता है, न आलोचना से हमारा आत्मविश्वास टूटता है। हम अपने वास्तविक स्वभाव में रहते हैं, जो न तो दूसरों की स्वीकृति से प्रभावित होता है, न ही अस्वीकृति से। श्रीमद्भगवद्गीता के सातवें अध्याय में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है...बहूनां जन्मनामन्ते ज्ञानवान्मां प्रपद्यते। वासुदेवः सर्वमिति स महात्मा सुदुर्लभः॥ (गीता 7.19)अर्थात, जब कोई व्यक्ति जीवन के कई जन्मों के बाद ज्ञान प्राप्त करता है, तो वह यह समझ पाता है कि अंततः सब कुछ परमात्मा है। यही ज्ञान उसे अपनी असल पहचान तक पहुंचाता है, जिससे वह इस जीवन के हर परिवर्तन और ऋतु से मुक्त हो जाता है। यह ज्ञान उसे यह समझने में मदद करता है कि हर ऋतु, चाहे वह सुख हो या दुख, केवल समय का एक हिस्सा है। जैसे गर्मी के मौसम में हम पंखा या एसी का उपयोग करते हैं, वैसे ही जीवन की कठिन परिस्थितियों में हमें अपनी आंतरिक शांति का सहारा लेना होता है। वह शांति जो न मौसम से प्रभावित होती है, न किसी और से। यही ऋतुचित्त का सच्चा अभ्यास है। यह केवल एक मानसिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह जीवन के हर क्षेत्र में शांति और समृद्धि का द्वार खोलता है।हमारे मन का स्थिरता की ओर बढ़ना कोई आसान काम नहीं है, परंतु यह पूरी तरह से संभव है। मन में कभी न कभी उथल-पुथल होगी, परंतु जैसे नदी के गहरे पानी में मछली की गति बिना किसी रुकावट के रहती है, वैसे ही हम भी अपनी गहरी शांति में रहते हुए उथल-पुथल का सामना कर सकते हैं। जब हम यह समझ जाते हैं कि जीवन में जो कुछ भी हो रहा है, वह एक अस्थायी स्थिति है, तो हम खुद को उसके साथ जोड़ने की बजाय उससे बाहर खड़ा हो पाते हैं।जब हम अपने मन के उतार-चढ़ाव को स्वीकार करते हैं, तो हम उन्हें नियंत्रित कर सकते हैं। अगर हम हर भावनात्मक प्रतिक्रिया को अपनी पहचान बनाने देते हैं, तो हम उस भावना के गुलाम बन जाते हैं। लेकिन अगर हम उसे एक अस्थायी स्थिति के रूप में देखते हैं, तो हम उससे मुक्त हो सकते हैं। यही है मानसिक स्थिरता की कुंजी।

हम अपने जीवन के हर पहलू में जल्दी परिणाम चाहते हैं- कभी अपनी नौकरी, कभी रिश्तों, कभी व्यक्तित्व के मामले में। लेकिन क्या हम यह समझते हैं कि हर चीज़ का एक समय होता है, और समय के साथ जीवन के ऋतु भी बदलते रहते हैं? एक व्यक्ति जो जीवन में मेहनत करता है और अपनी आंतरिक शांति को बनाए रखता है, वह किसी भी बाहरी बदलाव से प्रभावित नहीं होता। उसका चित्त हमेशा स्थिर रहता है। ऋतुचित्त का अभ्यास करने के लिए हमें पहले अपने भीतर की आवाज़ को सुनना सीखना होगा। जब हम अपने अंदर की स्थिति से वाकिफ होते हैं, तो हम बेहतर तरीके से बाहरी दुनिया से जुड़ सकते हैं। अपने चित्त को स्थिर करने के लिए हमें पहले अपनी भावनाओं और विचारों का निरीक्षण करना होगा। जब हम यह जानते हैं कि हर परिस्थिति अस्थायी है, तो हम उसे स्वीकार कर सकते हैं और शांति पा सकते हैं। जब हमारे मन की स्थिरता कायम रहती है, तब हम किसी भी जीवन की परिस्थिति से ना तो डरते हैं, और ना ही उसे भागने का रास्ता तलाशते हैं। हम उसे पूरी तरह से स्वीकारते हैं और उसी में अपने सर्वोत्तम प्रयासों को डालते हैं।ऋतुचित्त का अभ्यास करना हमें सिखाता है कि जीवन के उतार-चढ़ाव हमारे नियंत्रण से बाहर हैं, लेकिन हमारी प्रतिक्रिया उन्हें नियंत्रित करने में हमारी शक्ति है। जब हम अपने भीतर की शांति को जान पाते हैं, तो हम किसी भी ऋतु से प्रभावित नहीं होते। यह शांति हमें जीवन की सबसे बड़ी स्थिरता देती है।

(साभार : यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

हनुमानजी के जन्मोत्सव पर निकाली भव्य शोभायात्रा, मंदिरों में पहुंचे हजारों भक्त

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

शनिवार को श्रीराम भक्त हनुमान के जन्मोत्सव पर सभी हनुमान मंदिरों में सुबह से विधिविधान से पूजन, अभिषेक हवन पूजन, भंडारा हुआ। ग्राम नरगुवों के हनुमान मठ को बड़े ही आकर्षक रूप से सजाया गया शाम 5.30 बजे से श्री राम भक्त हनुमान जी महाराज की शोभा यात्रा निकाली गई। मुख्य सड़क भौडी हनुमान मंदिर में सुबह से हवन पूजन के बाद प्रसाद वितरण किया गया साथ ही भव्य भंडारे का आयोजन भी किया गया वार्ड क्रमांक 3 बजरंग बली चौराहे मढ़ियाघाट हनुमान मंदिर जनपद परिसर में बैठे हनुमान जी पंचवटी मंदिर रेंज परिसर सहित सभी मंदिरों में सैकड़ो की संख्या में लोगों ने पहुंचकर धर्म लाभ उठाया

कन्या भोज का हुआ आयोजन जय श्री राम के लगाए गए नारे

राम भक्त हनुमान जन्मोत्सव के पावन पर्व पर एक दिन पूर्व से ही नगर तथा आसपास के अनेक हनुमान जी के मंदिरों में अखंड रामायण पाठ, सुन्दर कांड, रामधुन, हनुमान चालीसा का आयोजन प्रारंभ हो गये थे शनिवार को हनुमान जी महाराज के जन्मोत्सव पर सुबह से विधी विधान के साथ हवन पूजन अभिषेक एवं कन्या भोज व भंडारे हुए। रेंज परिसर स्थित हनुमान मंदिर में सुबह से पूजन पाट किया गया शाम 5.30 बजे से मढ़ियाघाट स्थित श्री हनुमान जी के मंदिर से राम भक्त हनुमान जी की वाहनों में

भव्य झांकियां सजा कर बैंड बाजो के साथ पूर्ण भक्ति भाव से शोभा यात्रा निकाली गई साथ ही ग्राम भौडी हनुमान मंदिर से भी शोभायात्रा निकाली गई जहां शोभा यात्रा के आगे आगे अखाड़े के सदस्य हैरत अंग्रेज करतब दिखाते चल रहे थे। शोभा यात्रा मढ़ियाघाट हनुमान मंदिर से प्रारम्भ होकर श्रीराम मंदिर पहुंची जहां पूजन के बाद नगर भ्रमण करते हुए ब्लांक परिसर स्थित पंचवटी श्री सिद्ध धाम पहुंची जहां पूजन अर्चन कर नगर भ्रमण करते हुए पुनः मढ़िया घाट मंदिर में शोभा यात्रा का समापन किया गया। समापन के बाद हनुमान जी महाराज का पूजन एवं आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा के दौरान जगह जगह आरती उतारी गई एवं तारादेही तिराहा चैराहे पर प्रसाद का वितरण किया गया। ऐसे ही नगर के पंचवटी धाम के सभी मंदिरो को भव्य भगवा कलर झंडो, फूलमालाओ सहित अनेक वस्तुओ सें सजाया गया था। साथ ही सुबह से हवन पूजन हुआ शाम को हनुमान जी की महाआरती की गई।

श्रद्धा भाव से मनाया हनुमान जन्मोत्सव, शहर में निकला भव्य चल समारोह

गंजबासौदा। शहर सहित ग्रामीण अंचलों में हनुमान जी का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। मंदिरों में सुबह से देर रात तक भक्तों की दर्शन करने खूब भीड़ रही। हनुमान जन्मोत्सव पर मंदिरों को लाइटिंग और फूलों से आकर्षक रूप से सजाया गया था। वहीं कई जगह मंदिरों पर भंडारे और छप्पन भोग के आयोजन भी किए। शाम को विश्व हिंदू परिषद,बजरंग दल, महाशक्ति अखाड़ा द्वारा गांधी चौक राम जानकी मंदिर से भव्य चल समारोह निकाला गया। जो मुख्य मार्ग से होते हुए स्टेशन मंदिर पहुंचा। जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए। चल समारोह में हनुमान जी और भगवान राम की आकर्षक झाकियों सजाई गई थीं। साथ में चल रहे अखाड़े में पहलवानों द्वारा एक से बढ़कर एक करतब दिखाते चल रहे थे। चल समारोह का जगह जगह नागरिकों द्वारा फूल बरसा कर स्वागत किया। चल समारोह के समापन पर प्रसादी का वितरण हुआ।

खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच नहीं होने से विभाग की भूमिका पर उठ रहे सवाल

खानापूर्ति के लिए खाद्य पदार्थों की जांच पड़ताल करता है प्रशासन

त्योहारों के दौरान ही की जाती है जांच बाकी समय नहीं दिया जाता ध्यान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कहने को यहां खाद्य एवं औषधि प्रशासन का उपसंचालक कार्यालय संचालित है. और खाद्य सुरक्षा अधिकारी भी नियुक्त है. फिर भी जिले स्तर पर खाद्य पदार्थों की जांच पड़ताल के लिए मात्र खाना पूर्ति ही देखी जा रही है. जब कोई त्यौहार आते हैं तभी खाद्य प्रशासन जागरूक होता है. वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देश पर कुछ खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच करके यह दिखाने की कोशिश की जाती है कि खाद्य प्रशासनिक अमला हाथ पैर हाथ धर कर बैठा नहीं है बल्कि काम कर रहा है. जैसे ही त्योहारों का माहौल खत्म हो जाता है वैसे ही इनकी कार्रवाई

भी निष्क्रियता की ओर मुड़ जाती है.

नर्मदापुरम नगर में मिष्ठान की अधिकांश ऐसी दुकान है जिन पर खाद्य प्रशासन जांच पड़ताल की कार्रवाई नहीं करता. जबकि इनमें से कई दुकानें ऐसी हैं जिनके द्वारा बनाए गए खाद्य पदार्थ मिलावटी रहते हैं तथा खाद्य गुणवत्ता के अनुकूल भी नहीं है.

क्यों नहीं होती खाद्य प्रतिष्ठान की जांच

किस किराने की दुकान में किस तरह की सामग्री बेची जा रही है इसको लेकर खाद्य प्रशासन का ध्यान नहीं है. जिले में कई दुकान ऐसी है जहां पर एक्सपायरी डेट की वस्तुएँ भी बेची जा रही है. खाने के तेल के नाम पर पाम तेल की बिक्री हो रही है. दालों को पालिश करके बेचा जा रहा है.आइसक्रीम और कोल्ड ड्रिंक के नाम पर भी मिलावटी दौर जारी है. खाद्य प्रशासन आखिर किराने की दुकानों पर जांच क्यों नहीं करता. क्या दुकानदारों से इन्हें अपनी सांठ गांठ बना रखी है या राजनीतिक दबाव में यह कार्रवाई करना नहीं चाहते हैं. खाद्य सुरक्षा से जुड़े कुछ अधिकारी ऐसे हैं जो आम जनता के प्रति जिम्मेदार नहीं है बल्कि उन्हें अपनी नौकरी प्यारी है. इसलिए वह दुकानों की जांच पड़ताल करने से कतराते हैं.

खुले में रखे रहते हैं मिष्ठान पदार्थ..

नर्मदापुरम नगर की अधिकांश ऐसी होटल हैं जिनमें बनाए हुए खाद्य पदार्थ खुले स्थानों पर रखे रहते हैं. जबकि खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत किसी भी खाद्य पदार्थ को खासतौर से मिष्ठान से संबंधित खाद्य पदार्थों को खुले में नहीं रखा जाना चाहिए क्योंकि उनमें धूल एवं प्रदूषण का खतरा रहता है. बस स्टैंड जैसे स्थानों पर तो खाद्य पदार्थों को ढक कर रखा जाना चाहिए. कुछ वर्ष पहले जिला प्रशासन द्वारा खाद्य सुरक्षा को लेकर मुहिम चलाई गई थी जिसके तहत खुले स्थान पर रखे हुए खाद्य पदार्थों को लेकर कार्रवाई भी की गई थी. दुकानदारों ने अपने मिष्ठान पदार्थों को कांच के जार में बंद करके रखना शुरू कर दिए थे लेकिन जैसे-जैसे यह मुहिम ठंडी पड़ी वैसे-वैसे दुकानदारों ने अपनी मनमानियां शुरू कर दी.

जंगल में रह रहे सागर जिला के युवक की भूख प्यास से हुई मौत

तेंदूखेड़ा/तारादेही, दोपहर मेट्रो

तारादेही थाना क्षेत्र का मामला पुलिस कर रही मामले की जांच

तारादेही थाना क्षेत्र के अंतर्गत रमपुरा ग्राम के बाहर जंगल में भागवल पिता रमचंदी उम्र 32 निवासी ग्राम मडखेड़ा जागीर थाना सुरखी जिला सागर का शव मिला है बताया जा रहा है कि युवक की मौत भूख और प्यास के कारण हुई थी युवक अनेक दिनो तक खाना नहीं खाता था साथ ही अधिक गांजा पीता था। जिस कारण से मौत हुई है। तारादेही पुलिस को शुक्रवार की शाम सूचना प्राप्त हुई थी साथ ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्यवाही कर शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए तेंदूखेड़ा भेजकर शनिवार को पोस्मार्टम कराया गया है। तारादेही थाना प्रभारी राजीव पुरोहित ने बताया है कि रमपुरा ग्राम में जनवरी में आदिवासी समाज का एक कार्यक्रम हुआ था। इसी में कार्यक्रम यह युवक यहां पर आया था और गांव के बाहर जंगल में खेरमाता मंदिर के पास अपने देवी देवता हैं वहीं पर रहकर स्थान बना रहा था गांव वालो से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह युवक 8 दिन तक खाना नहीं खाता था लेकिन गांजा पीने का आदि था। जिस कारण डीहाईड्रेसन के कारण मौत होना लग रहा है। भागवल पटेल कुल 7 भाई है यह सबसे छोटा भाई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना कर रही है। साथ ही अग्रिम कार्यवाही की जाएगीं।

तुअर पंजीयन कार्य के लिए तहसीलवार स्थापित किए गए रजिस्ट्रेशन सेंटर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सचिव, म.प्र. शासन, किसान कलयाण तथा कृषि विकास विभाग मंत्रालय मध्यप्रदेश भोपाल अनुसार खरीफ वर्ष 2024 (विपणन वर्ष 2024-25) मे ई उपार्जन पोर्टल के माध्यम से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर तुअरं के उपार्जन हेतु पंजीयन कार्य के लिये प्राप्त निर्देशानुसार ई उपार्जन पोर्टल पर कृषकों के पंजीयन हेतु जिले मे गेहूँ पंजीयन कार्य हेतु 132 पंजीयन केन्द्रों को ही तुअर पंजीयन कार्य हेतु निर्धारित किये गये हैं।तत्संबंध में अपर कलेक्टर डी. के. सिंह ने जिले मे तुअर का रकबा कम होने के फलस्वरूप तथा ई उपार्जन पोर्टल पर 132 तुअर पंजीयन केन्द स्थापित न होने के कारण तहसीलवार तुअर पंजीयन केन्द्रों की स्थापना की है। जिसमें तहसील नर्मदापुरम में वृ.से.स. समिति रायपुर 23260010 एवं नर्मदांचल बनाम एस.एस. इंस्टीट्यूट लिमिटेड नर्मदापुरम, तहसील डोलरिया में वी.आर.एस.एस. समिति नानपा एवं से.स. समिति सेमरी खुर्द, तहसील इटारसी में आ. जाति सेवा सहकारी समिति केसला 23260320 एवं आ. जाति सेवा सहकारी समिति कालाआखर 23260330, तहसील माखननगर में से. सह. समिति ऑखमउ 23260436 एवं से. सह. समिति सांगाखेडा कलां 23260, तहसील सिवनी मालवा में सेवा सहकारी. समिति दहेडी 23261030 एवं से.स. समिति शिवपुर 23261220, तहसील सोहागपुर में वी.आर.एस.एस. समिति शोभापुर एवं से.स. समिति ठिकरी 23260710, तहसील पिपरिया में कृ.से.स. समिति सांढिया 23260790 एवं के.आर.एस.एस. समिति खापरखेड़ा, तथा तहसील बनखेड़ी में से.स. समिति महुआखेडा 23260580 एवं से.स. समिति पुरैनाकला 23260910 संस्थाओं को तहसीलवार तुअर पंजीयन केन्द्रों की स्थापित किए गए है। तथा अपर कलेक्टर श्री सिंह ने सर्व संबंधितो को निर्देशित किया है कि पात्र कृषकों का तुअर पंजीयन 20 अप्रैल 2025 तक कराया जाना सुनिश्चित कराएं।

जिले में गेहूं खरीदी कार्य सुचारू रूप से जारी

नर्मदापुरम. शासन के निर्देशानुसार रबी विपणन वर्ष 2025-26 में 15 मार्च से जिले के ई उपार्जन पोर्टल पर पंजीकृत 64969 किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य किया जा रहा है। आज दिनांक को 1015 किसानों द्वारा स्लॉट बुक किया गया एवं 10853 मी.ट स्कंद का उपार्जन हुआ।

जिला आपूर्ति अधिकारी रश्मि साहू ने यह जानकारी देते हुए बताया कि जिले में स्थापित 171 उपार्जन केन्द्रों पर आज दिनांक तक कुल 22784 किसानों के द्वारा अपना स्लॉट बुक किया गया है तथा 5870 किसानों से 59337 मीट्रिक टन की खरीदी की जा चुकी है। जिसकी भुगतान योग्य राशि 14.38 करोड़ है।

मां नर्मदा के तट पर श्रमदान एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

गत दिवस मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद नर्मदापुरम के द्वारा चयनित नवांकुर संस्था अभ्युदय लोक सेवा संस्थान सेक्टर क्रमांक 03, धरमकुंडी, सिवनी मालवा के द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 के अंतर्गत मां नर्मदा तट बाबरी घाट पर श्रमदान के माध्यम से मां नर्मदा तट के किनारे फैले कचरे की सफाई की गई तथा जल संरक्षण को लेकर शपथ ग्रहण का कार्यक्रम सेक्टर प्रभारी राहुल बाथव, दीपक यादव तथा तट पर स्थित सम्माननीय नागरिकों ने इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

परशुराम जयंती समारोह को लेकर 19 अप्रैल को होगी समितियां गठित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी दिनांक 29 एवं 30 अप्रैल को भगवान परशुराम जन्मोत्सव मनाया जाने का निर्णय ब्राह्मण समाज की बैठक में लिया गया. आयोजन को लेकर दिनांक 19 अप्रैल की बैठक में विभिन्न समितियां गठित की जाएगी बैठक में अनेक विप्र बंधुओ ने अपने-अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए जिसमें भगवान परशुराम का मंदिर चौराहा नामकरण एवं अन्य विषयों पर चर्चा की गई. प्रति तीन माह में सर्व ब्राह्मण समाज की बैठक रखी जाना सुनिश्चित किया गया साथ ही यह निर्णय लिया गया कि परशुराम जयंती के उपरांत एक विशाल सम्मेलन ब्राह्मण समाज मिलन समारोह का रखा जाएगाबैठक में आचार्य पंडित अजय दुबे वरिष्ठ सदस्य अरुण दीक्षित अशोक दीबोलिया शाहगंज से अजय दुबे दिनेश तिवारी विनोद रावत धर्मेंद्र तिवारी

रामकुमार गुबरेले मुकेश दुबे युवराज तिवारी बलराम शर्मा पंकज शुक्ला उदित द्विवेदी राजकुमार दुबे केके शर्मा अखिलेश मिश्रा हेमंत गोस्वामी विनोद बुधौलिया योगेश शर्मा सुखदेव भार्गव शशिकांत दुबे रामगोपाल भार्गव राजेंद्र पाराशर प्रकाश शर्मा मनीष तिवारी रिंकू शर्मा मुन्ना उपाध्याय जयशंकर तिवारी गोविंद दुबे के साथ नारी शक्तियों में वंदना शर्मा आरती दुबे नेहा तिवारी के साथ बड़ी संख्या में विप्र बंधु बैठक में उपस्थित हुए.

14 अप्रैल को उत्साह पूर्वक मनाई जाएगी डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

14 अप्रेल को बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर भारत रत्न की 134 वीं जन्म जयंती समारोह पूर्वक मनाई जाएगी. अजाक्स संघ के तहसील अध्यक्ष देवी प्रसाद मेहर ने बताया जयंती कार्यक्रम के अंतर्गत नर्मदा पुरम के पुराना बस स्टैंड स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कार्यक्रम सुबह 9.30 बजे से किया जाएगा. बाबा साहेब के अनुयायियों से अनुरोध है कि समय का विशेष ध्यान रखते हुए कार्यक्रम में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं.

नवांकुर संस्था द्वारा जल चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद नर्मदापुरम के द्वारा चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम रामपुर में नवांकुर संस्था के द्वारा जल चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें ग्राम पंचायत रामपुर सरपंच श्रीमती रीना तिवारी, प्राचार्य श्रीमती पिंकी अरोरा, गणेश पटेल, संजय सराठे एवं अन्य ग्रामीण जन के ग्राम में श्रमदान के माध्यम से की जाने वाली जल संरक्षण एवं संवर्धन की योजना तैयार की उपस्थित सभी गणमान्य जनों के द्वारा अपने विचार व्यक्त किए गए। अंत में सभी के द्वारा जल संरक्षण हेतु शपथ ली गई।

संकटमोचक के प्रकटोत्सव पर ग्रामीण अंचलों में दिखा उत्साह

हर्षोल्लास से मनाया बजरंगबली का जन्मोत्सव, निकाली शोभायात्रा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शनिवार को संकटमोचन हनुमानजी का जन्मोत्सव नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में बड़े ही उत्सव पूर्वक मनाया गया । बजरंग दल विश्व हिंदू परिषद के द्वारा द्वारा विशाल चल समारोह निकल गया जिसका जगह-जगह समाज जनों समाजसेवी संगठनों ने फूल वर्षा का स्वागत किया। पूरा नगर हनुमान जी की भक्ति में लीन नजर आ रहा था।

डीजे पर बज रहे है भगवान हनुमान जी मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जी के भजनों पर युवा झूमते के नाचते चल रहे थे साथ ही लाठी सहित प्राचीन हथियारों और कलाओं का प्रदर्शन भी इनके द्वारा किया जा रहा था।जिनको देखकर लोग दांतों तले उंगली दबा रहे थे। एक रथ में हनुमान जी की तस्वीर विराजमान दूसरे रथ श्री रामचंद्र जी की तस्वीर विराजमान थी चिलचिलाती धूप में भी हनुमान जी की भक्ति में लीन होकर डीजे पर बज रहे हनुमान जी और राम जी के भजनों पर सभी झूमती नाचते हुए चल रहे थे।

दोपहर 1 बजे से श्री छतरी नाका हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना के पास शोभा यात्रा प्रारंभ हुई वहीं लाल बाबा हनुमान जी मंदिर पर शोभायात्रा का समापन

हुआ वही एक ट्राली में से महाप्रसादी का वितरण भी किया गया इसी तरह शहर के सभी मंदिरों को आकर्षित रुपसे सजाया गया था सुबह से लेकर रात्रि तक धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ वही हनुमान जी के दर्शन करने के लिए भक्तों का तांता लगा रहा श्री छाती नाका हनुमान मंदिर को आकर्षित सजाया गया था मंदिर के पुजारी दीपक महाराज ने बताया कि एक दिन पहले से तैयारी की गई थी बड़े ही धूमधाम से जन्मोत्सव मनाया हनुमान जी का मनाया इसी मनसा पूर्ण हनुमान जी मंदिर भैरव पठार हनुमान जी मंदिर, बटाटया बावड़ी सरकार, लालबाबा हनुमानजी मंदिर शायद सभी मंदिरों पर कन्याभोज भंडारे का आयोजन भी किया गय सभी मंदिरों में महाप्रसादी का वितरण हुआ।

कलयुग में संकटों को मिटाने वाले एक ही देवता है बीरबल भारी मां बजरंगबली जिनकी चरणों में सभीने नासमस्ता धोखा प्रणाम किया चने और गुड़ का भोग लगाया।

विदिशा में सूर्य तिलक : श्रीराम मंदिर में दिखा अयोध्या जैसा नजारा

विदिशा। नगर में शनिवार को अयोध्या के श्रीराम मंदिर जैसा नजारा दिखा। जैसे वहां श्रीराम का सूर्य तिलक किया गया था वैसे ही यहां रामभक्त हनुमान का सूर्य तिलक किया गया। हनुमान जयंती के मौके पर यह विशेष आयोजन किया गया। विदिशा के रंगई स्थित श्री दादाजी सिद्ध मनोकामना पूर्ण हनुमान मंदिर में यह दृश्य देखने बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे। मंदिर समिति ने दावा किया कि देश का यह पहला हनुमान मंदिर है जहां बजरंगबली का सूर्य तिलक किया गया। विदिशा भोपाल मार्ग पर बेतवा नदी किनारे के रंगई मंदिर में दूर-दूर से श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूरी होने के बाद प्रसाद चढ़ाने आए। हनुमानजी के 500 वर्ष पुराने मंदिर में 12 अप्रेल का दिन बेहद खास रहा। दोपहर के ठीक 12 बजते ही हनुमानजी की मूर्ति का माथा जगमगा उठा। हनुमानजी का सूर्य

तिलक किया गया जिसे देखते ही भक्त जयकारे लगाने लगे। विशेष ऑप्टोमैकेनिकल सिस्टम का इस्तेमाल कर सूर्य की किरणें हनुमानजी के मस्तक पर डाली गईं। रंगई मंदिर सेवा समिति ने इसके लिए विशेष रूप से बैंकॉक, थाईलैंड से पेरिस्कोप मंगाए। हनुमान जन्मोत्सव पर गर्भगृह में दोपहर ठीक 12ः00 बजे मूर्ति पर सूर्य किरणें आईं। 40 फीट लंबे 2.5 इंच के पाइप से सूर्य किरणों को मूर्ति के माथे पर सजाया गया। इस मौके पर मंदिर को भी 1.25 लाख राम नाम की पर्चियों से सजाया गया। अयोध्या के श्रीराम मंदिर के बाद हनुमानजी के इस मंदिर में उसी पद्धति से सूर्य तिलक किया गया। रंगई मंदिर सेवा समिति ने दावा किया कि विदिशा का श्री दादाजी सिद्ध मनोकामना पूर्ण मंदिर ऐसा पहला मंदिर है जहां हनुमानजी का सूर्य तिलक किया गया है।

हिरणों का शिकार करके भाग रहे दो आरोपी में से एक को ग्रामीणों ने पकड़ा, आरोपी ने तानी थी बंदूक

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शुक्रवार की रात्रि मे बंदूक से गोली चला कर दो हिरणों का शिकार उनके टुकड़े करने वाले दो में से एक आरोपी को ग्रामीणों ने एकजुट और साहस दिखाकर गिरफ्तार करवाया दिया। रात्रि में निरंजन चिराढ ने गोली चलने की आवाज सुनी इसके बाद इन्होंने आवाज लगाई तो यहां भागने लगे रहे हैं। यह लोग हिरण का शिकार भाग रहे थे।

इन आरोपियों को इन्होंने पीछा किया इस दौरान दोनों की मोटरसाइकिल आपस में टकरा गई एक आरोपी को इन्होंने पकड़ लिया इसके बाद मजरह निरंजन पर उल्टे बंदूक तान दी इसके बाद ग्रामीणों जन भी मौके पर पहुंच गए उन्होंने एकजुट का परिचय देते हुएं शिकरी मजहर निवासी सिरोंज को पकड़ लिया पहले ग्रामीणों ने जमकर पिटाई की इसके बाद शिकार करने की सूचना पुलिस को दी आरोपियों ने शिकार करने के बाद हिरणों के टुकड़े-टुकड़े कर दिए थे। रात्रि

1ः00 बजे पुलिस ने आरोपी मजारह और एक अन्य पर बी एनएस की धारा 125.351(3) 3(5) एवं आयुथ की धारा 25 व 27 के तहत प्रकरण पंजीबद करके अवैध बंदूक तथा हथियार को भी जप्त कर लिया और आरोपी को न्यायालय में पेश किया। उक्त मामले में आगे की करवाई वन विभाग करेगा इसके लिए वन विभाग न्यायालय से आरोपी को पी आर लेकर पुलिस पूछताछ करेगी और इस मामले में आगे कार्रवाई करेगी दूसरी और हिरण का शिकार करने के बाद ग्रामीण पर ही बंदूक लगाने वाले आरोपों पर वन विभाग तथा पुलिस को ठोस कार्रवाई करनी चाहिए अवैध हथियार बड़ी संख्या में लोग रखे हुए हैं ऐसा लग रहा है।

ऑटो चालक नहीं वसूल पाएंगे 3 रुपए से ज्यादा किराया, अधिकारियों ने तय किया रूट!

विदिशा। शहर में परिवहन के लिए अब लोगों के पास दूसरे विकल्प भी होंगे। जिला परिवहन अधिकारी की ओर से तैयार रूट को नगर पालिका से हरी झंडी मिल गई है। जल्द ही किराया तय करने के लिए एसडीएम के नेतृत्व में मोटर मालिकों की बैठक बुलाई जाएगी। अभी तक के प्रस्ताव में यह दर 3 रुपए प्रति किमी. तय की गई है। पूरी संभावना है कि एजेंसी तय करने सहित बाकी की प्रक्रिया पूरी करते हुए अधिकतम दो से तीन महीने में नगर परिवहन सेवा शुरू कर दी जाएगी। जिला प्रशासन के निर्देश पर परिवहन विभाग की ओर से तय योजना के मुताबिक शहर के दो रूट पर छह छोटे वाहन चलाए जाएंगे। प्रयोग के तौर पर शुरू परिवहन सेवा सफल हुई तो वाहनों की संख्या और बढ़ाई जाएगी। जिला परिवहन अधिकारी के मुताबिक इससे लोगों को आधे से भी कम किराया देना पड़ेगा। सभी वाहनों में तय किराया की सूची अंकित की जाएगी। किराया के संबंध में बताया गया कि अभी शहर के एक छोर से दूसरे छोर पर पहुंचने के लिए 15 किलोमीटर की दूरी तय करने पर ऑटो चालक 80 से 100 रुपए तक का किराया वसूल कर लेते हैं।

मप्र राज्य कर्मचारी संघ के चुनाव संपन्न गुड्डा सिंह ठाकुर बने तहसील अध्यक्ष

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रांतीय आव्हान पर तेंदूखेड़ा ब्लाक इकाई के चुनाव सम्पन्न कराने हेतु शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तेन्दूखेड़ा में निर्वाचन प्रक्रिया कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें निर्वाचन अधिकारी महेन्द्र रैकवार के मार्गदर्शन में निर्विरोध निर्वाचन सम्पन्न हुए जिसमें तहसील अध्यक्ष पद पर गुड्डासिह ठाकुर सचिव मनोहर सिंह ठाकुर एवं कोषाध्यक्ष दिलीप द्विवेदी, रहे। इसी प्रकार ब्लाक अध्यक्ष बलवीर राय, सचिव शंकरलाल झारिया, कोषाध्यक्ष पद हेतु सतेन्द्र जैन को चुना गया। संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया जिला संयोजक सुरेन्द्रराय एवं पूर्व बीईओ एन. एस. एस. राजपूत के कुशल मार्गदर्शन / सहयोग से सम्पादित करायी गई। इस अवसर पर ब्रजराज परिहार, तेजेस्वर तिवारी, अमीन सिंह, राजेन्द्र सिंह, प्राचार्य रघुराज सिह खेमचंद्र राय ,नरेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में कर्मचारियों मौजूदगी रही।

अयोध्या बस्ती में हुआ ई-केवायसी शिविर का आयोजन

सिरोंज। समग्र आईडी में आधार कार्ड की ईकेबायसी के लिए नगरपालिका द्वारा वार्ड क्रमांक 21 में शिविर का आयोजन किया गया। शनिवार को अयोध्या बस्ती में आयोजित निःशुल्क शिविर में ईकेबायसी करवाने के लिए काफी संख्या में हितग्राहियों का जमाबड़ा उमड़ा। दोपहर को इस शिविर में व्यवस्था देखने तथा हितग्राहियों की समस्याओं को जानने नपाध्यक्ष मनमोहन साहू भी पहुंचे। इस दौरान जानकारी देते हुए नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने बताया कि शासन की मंशा एवं विधायक उमाकांत शर्मा जी के निर्देश पर हमने सभी वार्डो में ईकेबायसी करवाने के लिए शिविर आयोजित कर रहे हैं। आज वार्ड क्रमांक 21 से इस शिविर का शुभारंभ हुआ है। आगे भी सभी वार्डो में आम जनता के हित में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

शिविर हेतु नागरिकों को जानकारी देने के लिए नगर पालिका द्वारा व्यापक प्रचार प्रसार कर एवं कर्मचारियों द्वारा घर घर पहुंचकर हितग्राहियों को शिविर स्थल बुलाने की व्यवस्था नपा प्रबंधन द्वारा की गई है। इस अवसर पर भाजपा नेता सचिन शर्मा सहित नपा के कर्मचारी मौजूद रहें।

जबलपुर मार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की हुई मौत, पुलिस कर रही जांच

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

शुक्रवार एवं शनिवार की दरमियानी रात तेन्दूखेड़ा नगर के वार्ड क्रमांक 8 में जबलपुर मार्ग पर स्थित हाईस्कूल के समीप तेन्दूखेड़ा निवासी एक युवक को अज्ञात वाहन टक्कर मारकर मौके से भाग निकला है और युवक की देर-रात स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के दौरान मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी अनुसार नगर के वार्ड क्रमांक 5 में रहने वाले शिवचरण पिता उत्तम पाल उम्र 40 वर्ष जो कि रात 11 बजे अपने घर से खाना खाकर खेत के लिए निकला था लेकिन रात करीब 2 बजे पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक हाईस्कूल के पास सड़क किनारे घायल अवस्था पड़ा हुआ है

जहां घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल पड़े युवक को उठाकर स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया लेकिन डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि युवक के पैर के ऊपर से बड़ा वाहन निकल गया है जिसके कारण मृतक के दोनों पैर छतिग्रस्त हो गए थे। साथ ही यह भी पता नहीं है युवक के साथ कितने टाइम हादसा घटित हुआ है क्योंकि पुलिस को जानकारी रात 2 बजे मिली है पुलिस द्वारा अब जांच की जा रही है। पुलिस ने शनिवार की सुबह स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच व तलाश शुरू कर दी है।

डॉ अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण के लिए नपा ने लगवाई सीढ़ियां

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगरपालिका परिषद ने पुराने बस स्टैंड पर स्थित बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के पास चढ़ने उतरने के लिए स्टील की सीढ़ियां लगवाई हैं। विगत अनेक वर्षो से प्रतिमा के समक्ष होने वाले आयोजनों में डॉ अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के लिए संगठनों के नेताओं एवं आमजन को परेशान होना पड़ता था तथा अस्थाई सीढ़ियों की व्यवस्था जुटाना पड़ती थी। आगामी 14 अप्रैल को डॉ साहब की जयंती भी है इस हेतु विधायक उमाकांत शर्मा के सख्त निर्देश के उपरांत नपा प्रबंधन ने शनिवार को स्टील की मजबूत रेलिंग लगवाई। शाम को सीढ़ी लगने के उपरांत नपाध्यक्ष मनमोहन साहू ने इसे जनता को समर्पित किया। सीएमओ रामप्रकाश साहू सहित पार्षदगण मौजूद रहें।

जल गंगा संवर्धन अभियान : नदी किनारे किया जीर्णोद्धार

विदिशा। जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत चहुंओर जन सहभागिता से कार्यों को किया जा रहा है। इस कार्य में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की ग्रामों में गठित प्रस्फुटन समितियां भी पीछे नहीं है । समितियां के सदस्यों द्वारा अपने-अपने ग्राम क्षेत्र में जल संचय के कार्यों को विशेष तौर पर संपादित किया जा रहा है। इन कार्यों में स्थानीय ग्रामीणजनों की सहभागिता हो इसके लिए विभिन्न संसाधनों से प्रचार प्रसार भी इनके द्वारा किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती पूजा श्रीवास्तव ने बताया कि गत दिवस मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की ग्यारसपुर विकासखंड में चयनित नवांकुर संस्था सेक्टर क्रमांक 1 ग्यारसपुर के कार्यक्रम समन्वयक शैलेंद्र रघुवंशी द्वारा आज सेक्टर ग्राम धोरेरा जाकर नदी गहरीकरण श्रमदान किया जिसमें समिति के सदस्यों एवं परामर्शदाताओं के सहयोग से 3 घंटे श्रमदान कार्य के माध्यम से एक ट्राली मिट्टी बाहर निकाली गई है। वहीं ग्रामीण इलाकों में जल संचय के उपाय और संरचनाओं से होने वाले फायदों को बतलाया गया है।

बीच सड़क पर अनलोडिंग का तांडव: जाम से जूझ रहा शहर, प्रशासन की नाकामी उजागर

तेंदूखेड़ा , दोपहर मेट्रो

नगर की सड़कों पर एक बार फिर अराजकता और लापरवाही का नंगा नाच देखने को मिला, जब बीच सड़क पर वाहनों को खड़ा कर घंटों तक सामान उतारा गया। इस बेहूदगी ने न सिर्फ यातायात को ठप कर दिया, बल्कि आम लोगों को घंटों तक जाम के दलदल में फंसने के लिए मजबूर कर दिया। यह नजारा अब नगर की शक्ल बन चुका है, जहाँ नियम-कानून हवा में उड़ते हैं और प्रशासन अपनी नाकामी छिपाने के लिए बहानों की ढाल ढूंढता है।

जाम का कहर : लोगों की जिंदगी ठप

गत गुरुवार की दोपहर शहर के सबसे व्यस्त बाजार और मुख्य मार्ग में उस वक्त कोहराम मच गया, जब एक विशालकाय ट्रक को सड़क के ठीक बीच में खड़ा कर सामान उतारने का सिलसिला शुरू हुआ। घंटों तक चले इस तमाशे ने सड़क को वाहनों की कब्रगाह में तब्दील कर दिया। कारें, बाइक और ऑटो रिक्शा जाम में फंसे हॉर्न की कर्कश आवाजों के बीच बेबस नजर आए। एक गुस्साए नागरिक, दीपेश ने फटकार लगाते हुए कहा, यह हर दिन का दस्तूर बन गया है। सड़क पर ट्रक खड़ा कर ये लोग हमें बंधक बना लेते हैं। पुलिस कहाँ सो रही है? प्रशासन को शर्मिंदगी भी नहीं होती!

जाम का असर सिर्फ सड़क तक सीमित नहीं रहा। आए दिन स्कूल से लौट रहे बच्चों को घंटों इंतजार करना पड़ता है, मरीज अस्पताल पहुँचने से पहले ही हिम्मत हार जातेहैं, और दफ्तर जाने वाले लोग देर से पहुँचकर बॉस की डांट खाने को मजबूर होते हैं पैदल चलने वालों के लिए फुटपाथ तक छिन गया, क्योंकि वहाँ भी सामान और वाहन बेशर्मी से कब्जा जमाए बैठे थे।

व्यापारियों की ढिठाई या प्रशासन की नाकामी?

जब इस बेशर्मी के पीछे की वजह तलाशी गई, तो व्यापारियों ने अपनी मजबूरी का रोना रोया। एक दुकानदार, ने बेपरवाही से कहा, हमें सामान उतारने के लिए जगह कहाँ है? ट्रक सड़क पर न रुके तो क्या आसमान में लटकाएँ? लेकिन यह बहाना हास्यास्पद लगता है, जब देखा जाए कि ये लोग न तो नियमों की परवाह करते हैं और न ही दूसरों की तकलीफ की। यह लापरवाही नहीं, बल्कि ढिठाई है, जिसे प्रशासन की शह मिली हुई है।

पुलिस और प्रशासन की लचर व्यवस्था

पुलिस की मौजूदगी इस दौरान एक मजाक से ज्यादा कुछ नहीं थी। सड़क पर हंगामा मचा रहा, लेकिन कोई सिपाही हालात संभालने को तैयार नहीं यह उस व्यवस्था की पोल खोलता है, जो कागजों पर तो नियम बनाती है, लेकिन सड़क पर उसकी हकीकत शून्य है। नगर परिषद और प्रशासन की चुप्पी भी कम गुनाहगार नहीं। आखिर कब तक पार्किंग और लोडिंग-अनलोडिंग की जगह न होने का बहाना चलता रहेगा?

जनता का गुस्सा और माँगें

नगर वासियों का सब्र अब जवाब दे रहा है। लोगों ने प्रशासन से सख्त कदम उठाने की माँग की है-

1. **तत्काल पार्किंग जोनः** हर व्यावसायिक क्षेत्र में लोडिंग-अनलोडिंग के लिए अलग जगह बनाई जाए।
2. **समय का बंधनः** सामान उतारने के लिए सुबह या रात के निश्चित घंटे तय हों, ताकि दिन में जाम न लगे।
3. **कड़ा जुर्मानाः** नियम तोड़ने वालों पर भारी जुर्माना और वाहन जब्ती की कार्रवाई हो।
4. **पुलिस की जवाबदेही :** पुलिस को सड़क पर सक्रिय और जिम्मेदार बनाया जाए।

शहर की सड़कों पर गहराता संकट

यह कोई नई कहानी नहीं है। बाजार क्षेत्र हो या मुख्य मार्ग या फिर रहवासी इलाका, हर जगह सड़कें वाहनों और लापरवाह लोगों की मनमानी का शिकार बन चुका है ÷नगर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह फेल हो चुका है। अगर सख्त नियम लागू नहीं हुए, तो यह जाम एक महामारी बन जाएगा।÷ आंकड़े बताते हैं कि पिछले छह महीनों में ऐसी घटनाओं में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, लेकिन प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही।

सवालों के घेरे में प्रशासन

यह खबर सिर्फ जाम की कहानी नहीं, बल्कि एक सिस्टम की नाकामी का सबूत है। आखिर कब तक लोग इस लापरवाही और अक्षमता की सजा भुगतते रहेंगे? क्या प्रशासन के पास कोई योजना है, या यह सिर्फ कागजी बातों और खोखले वादों तक सीमित रहेगा? अगर जल्द ही कदम नहीं उठाए गए, तो नगर की सड़कें चलने लायक नहीं, बल्कि जाम का पर्याय बनकर रह जाएंगी। अब वक्त है कि बहानेबाजी बंद हो और सख्ती से काम शुरू हो—वरना जनता का गुस्सा सड़कों पर उतरने में देर नहीं लगेगी।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

लीड रोल ना मिलने पर एक्टर शरद केलकर का छलका दर्द

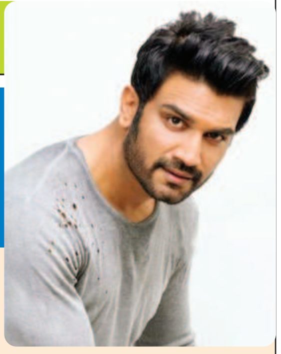

छोटे पर्दे से लेकर बड़े पर्दे तक एक्टर शरद केलकर अपनी एक्टिंग और आवाज से इंडस्ट्री में अपना दमखम दिखा चुके हैं. एक्टर आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं. एक्टिंग की बात हो या वॉयस ओवर की, शरद केलकर की हर जगह डिमांड है. किरदार बड़ा हो या छोटा शरद केलकर परवाह किए बिना हमेशा चमकने में कामयाब रहे हैं. शरद केलकर ने भले ही फिल्मों अब तक लीड रोल्स ना निभाए हो लेकिन साइड रोल्स के जरिए भी एक्टर को दर्शकों का प्यार खूब मिला है. लेकिन हाल ही में शरद ने कहा है कि वह अब पर्दे पर बड़े रोल्स करना चाहते हैं. एक्टर ने एक इंटरव्यू में बात करते हुए कहा कि 'इंडियन पुलिस फोर्स' में नजर आने के बाद अब उन्हें लगता है कि निर्माताओं को उन्हें बड़े रोल्स देने चाहिए. एक्टर ने कहा- ऐसे बहुत से अभिनेता हैं जो मुझसे बेहतर हो सकते हैं और बेहतर काम कर सकते हैं. लेकिन भाग्य भी काम आता है. मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे वे भूमिकाएं मिलीं. भले ही वह किरदार लंबाई में छोटे थे... मुझे नहीं पता कि इंडस्ट्री क्यों नहीं समझती. मुझे नहीं पता कि उन्हें मुझे बड़ी, बेहतर किरदार देने से कौन रोक रहा है।

मुझे इसके पीछे का कारण नहीं पता

इंडस्ट्री में रोल्स के बारे में बात करते हुए आगे शरद बोले- मुझे इसके पीछे का कारण नहीं पता, मैं एक बहुत ही पॉजिटिव इंसान हूं, मैं बस अपनी बारी का इंतजार कर रहा हूं. मैं ये नहीं कहता कि मैं बहुत अच्छा एक्टर हूं, लेकिन मैं बहुत मेहनती हूं और खुद पर विश्वास करता हूं. मैं कभी हार नहीं मानता, मेरा यही रवैया है. मैं उस दिन का इंतजार कर रहा हूं जब लोग मुझ पर विश्वास करेंगे. बता दें कि शरद केलकर ने अपने करियर की शुरुआत ग्वालियर में बतौर जिम इंस्ट्रक्टर की थी. इसके बाद एक्टर ने दूरदर्शन के सीरियल 'आक्रोश' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद उन्होंने कई सीरियल में अपनी अदाकारी का दम दिखाया. इस लिस्ट में 'सीआईडी', 'उतरन' और 'रात होने को है' जैसे सीरियल शामिल हैं।

फवाद खान के कमबैक पर सुष्मिता सेन बोलीं, हुनर और क्रिएटिविटी में कोई सरहद नहीं होनी चाहिए...

भारत में लंबे समय से पाकिस्तानी कलाकारों पर प्रतिबंध लगा हुआ है। लेकिन जैसे ही पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान की नई फिल्म अबीर गुलाल का टीजर सामने आया तो विवाद खड़ा हो गया। हालांकि, अब एक के बाद एक बॉलीवुड सितारे फवाद की वापसी का समर्थन करते नजर आ रहे हैं। इसी कड़ी में सुष्मिता सेन ने भी फिल्म का सपोर्ट किया है। दरअसल, सुष्मिता सेन हाल ही में एक इवेंट में शामिल हुई थीं। इस दौरान जब उनसे फिल्म 'अबीर गुलाल' को लेकर हो रहे विवाद पर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, मुझे इतना सब तो नहीं पता है, लेकिन मैं बस इतना जानती हूं कि हुनर और क्रिएटिविटी में कोई बाउंड्री नहीं होती है और होनी भी नहीं चाहिए। सुष्मिता सेन ने आगे कहा कि एक स्पोर्ट्स और एक हमारी क्रिएटिव फील्ड है, जहां पर क्रिएटिविटी आजादी से जन्म लेती है। ऐसे में इसके लिए कोई सरहद नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा सनी देओल और अमीषा पटेल भी फवाद खान को सपोर्ट कर चुके हैं। सेनी देओल ने कहा था कि वह पॉलिटिक्स में नहीं जाना चाहते, क्योंकि वहीं से चीजें ग?ब? होने लगती हैं। हम एक्टर हैं, हम दुनिया के हर कोने के लोगों के लिए काम करते हैं। कोई देखे या ना देखे, हम सबके लिए हैं। उन्होंने आगे कहा था आज की दुनिया ग्लोबल हो गई है। हमें और देशों को जोड़ना चाहिए। यही सही तरीका है। वहीं, अमीषा पटेल ने कहा था कि हम हर एक्टर और म्यूजिशियन का स्वागत करते हैं। ये हमारी संस्कृति है। आर्ट को हम आर्ट की तरह ही देखते हैं और उसमें कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए।

बॉलीवुड में आठ साल बाद वापसी कर रहे हैं फवाद खान: पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान बॉलीवुड में आठ साल बाद वापसी कर रहे हैं। उनकी आने वाली फिल्म अबीर गुलाल का टीजर रिलीज हुआ है, जिसे लेकर फैंस के बीच उत्साह का माहौल है। हालांकि, जैसे ही फिल्म के रिलीज होने की जानकारी सामने आई, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया है और फिल्म को महाराष्ट्र में रिलीज न करने की धमकी दी है।

सुशांत के घर में रहती है अदा शर्मा एक्ट्रेस बोली- 'वो एक ऐसे एक्टर हैं जिनके प्रति मेरे मन में बहुत इज्जत है'

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदा शर्मा फिल्म 'केरल स्टोरी' के बाद से चर्चा में बनी रहती हैं. उन्हें अक्सर ही किसी न किसी के बारे में बात करते हुए देखा जाता है. अदा ने बताया कि- मैं बस इतना कहना चाहूंगी कि मैं करोड़ों लोगों के दिल में रहती हूं. मैं इसको लेकर बात करूंगी लेकिन अभी नहीं सही मौका आने पर. हर चीज का बोलने का एक सही टाइम होता है. मैं जब वो जगह देखने गई थी तो मुझे मीडिया ने काफी अटेंशन दिया था. मैं एक प्राइवेट पर्सन हूं और फिल्मों के अलावा अपनी बाकी चीजों को प्राइवेट रखना ही पंसद करती हूं. अदा ने आगे सुशांत सिंह राजपूत को लेकर भी बात की. एक्ट्रेस ने कहा उन्हें काफी बुरा लगता है जब कोई ऐसे इंसान के बारे में बुरा कहता है जो अब इस दुनिया में भी नहीं है. एक्ट्रेस ने कहा कि- वो एक ऐसे एक्टर हैं जिनके प्रति मेरे मन में बहुत इज्जत है. जब मेरे उनके घर जाने की खबर आई थी तब मैंने कुछ कमेंट्स पढ़े थे जिसमें लोग उनके बारे में बुरा-भला कह रहे थे. तब मुझे बहुत बुरा लगा था. आप मुझे ट्रोल कर सकते हैं लेकिन एक ऐसे इंसान के बारें में तो बुरा नहीं बोले जो अब इस दुनिया में भी नहीं है। अदा शर्मा ने इस इंटरव्यू में ये भी खुलासा किया हैकि वो जल्द ही बताएंगी की वो कहां रहती हैं. एक्ट्रेस ने कहा कि- मैं जल्द ही इस बारे में बात करूंगी कि मैं कहां रहती हूं. लेकिन फिलहाल में लाखों लोगों के दिल में रह रही हूं. वो भी फ्री में और मैं चाहती हूं कि हमेशी रहूं। वर्क फ्रंट की बात करें तो अदा शर्मा फिल्म केरल स्टोरी से काफी पॉपुलर हुई थीं. इस फिल्म में अदा की एक्टिंग तो कमाल रही लेकिन फिल्म को दर्शकों की तरफ से कुछ खास रिस्पॉन्स नहीं मिला है.

नोरा फतेही का छलका दर्द, बोलीं- 'अंडे और ब्रेड खाकर गुजारे थे स्ट्रगल वाले दिन....

नोरा फतेही ने अपने शुरुआती दिनों को याद किया जब उन्होंने मुंबई में नौ लड़कियों के साथ एक फ्लैट शेयर किया था। नोरा ने बताया कि कैसे उन्होंने वो टाइम काटा था। नोरा बॉलीवुड में एक दशक से ज्यादा वक्त गुजार चुकी है। नोरा फतेही ने अपने जबरदस्त डांस स्किल के कारण इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई है। हालांकि एक्ट्रेस जब भारत आई थीं तो उनके लिए चीजें चुनौतियों से भरी थी। नोरा अक्सर अपने स्ट्रगल के बारे में चर्चा करती हैं। नोरा ने शुरुआती दिनों की बात बताते हुए शेयर किया कि जब वो भारत आई थी तो उनके पास सिर्फ 5000 रूपए थे। उन्हें यह भी नहीं पता था कि 1000 डॉलर क्या होता है। नोरा फतेही ने मुंबई के एक अपार्टमेंट में नौ लड़कियों के साथ रहने के अनुभव को ऊदर्दनाकऊ बताया। उन्होंने कहा कि मैं तीन बीएचके फ्लैट में नौ लड़कियों के साथ रहती थी। वहां रहने के दौरान, मैं सोचती थी, 'क्या मैंने खुद को फंसा लिया है?' मैं अब भी सदमे में हूं,। 32 साल की एक्ट्रेस ने उन एजेंसियों के साथ रफ एक्सपीरियंसऊ के बारे में भी बात की, जो उन्हें बहुत कम पैसे देती थीं। नोरा ने कहा एजेंसी बहुत सारा पैसा काट लेती थी और मुझे बहुत कम वेतन देती थी। मैंने एक अंडे और ब्रेड पर सर्वाइव किया।

2028 ओलंपिक : लॉस एंजिलिस में बनेगा इतिहास, पहली बार महिला एथलीट बहुमत में

पहली बार खेलों में पुरुष एथलीटों की तुलना में ज्यादा होंगी महिला खिलाड़ी

नईदिल्ली, एजेंसी

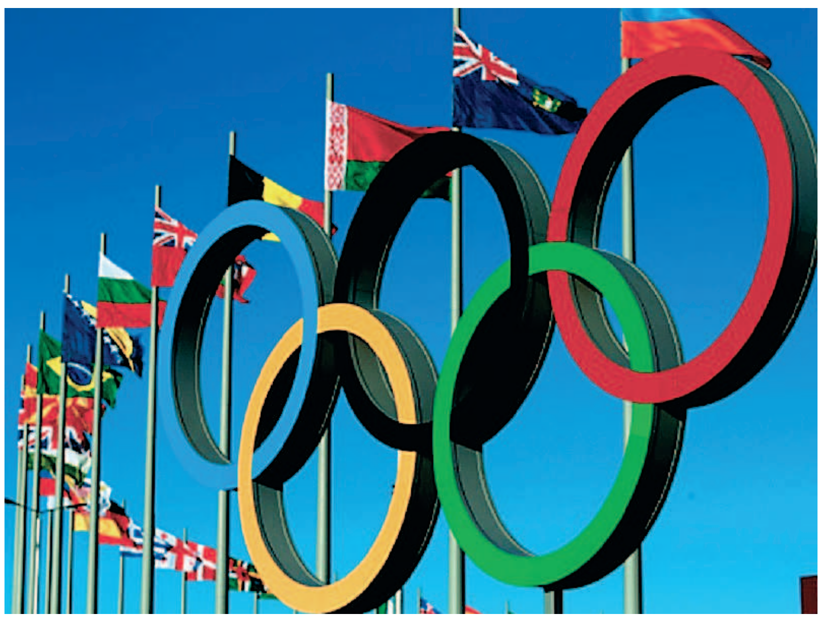

तीन साल बाद 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों ने शुरुआत से पहले ही इतिहास रच दिया है। 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में इन खेलों के इतिहास में पहली बार महिला एथलीट बहुमत में दिखेंगी यानि पुरुष एथलीटों की तुलना में महिला खिलाड़ियों की संख्या ज्यादा होगी।

पेरिस ओलंपिक में पहली बार 50 फीसदी महिला एथलीट उतरी थीं, लेकिन इस बार संख्या इसके पार पहुंचेगी। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) के जारी खेलों के कार्यक्रम के अनुसार 2028 ओलंपिक में 36 खेलों में 5,655 महिला और 5,543 पुरुष खिलाड़ी शिरकत करेंगे। आईओसी के खेल निदेशक किट मैककोनेल ने कहा, यह कार्यक्रम वास्तव में ओलंपिक इतिहास में पहली बार महिला एथलीटों को उनके समानता के हक का एहसास कराएगा। अमरीका में वैसे भी महिला फुटबॉल काफी लोकप्रिय है, ऐसे में मेजबान होने के कारण उसे इसका फायदा भी मिलेगा। हम इसके जरिए खेलों में समानता का संदेश देना चाहते हैं।

1928 ओलंपिक में उतरी थीं 9.6 फीसदी महिला एथलीट

वाटर पोलो व मुक्केबाजी में समानः फुटबॉल के अलावा महिला वाटर पोलो में दो और टीम जोड़ी गई हैं, वहीं मुक्केबाजी में अतिरिक्ति भार वर्ग शामिल किया गया है। अब ओलंपिक में वाटर पोलो के पुरुष व महिला वर्ग में 12-12 टीमें हिस्सा लेंगी, वहीं मुक्केबाजी में भी पुरुष और महिला वर्ग में 7-7 भार वर्गों में खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा करेंगे। यह भी पहली बार होगा।

फुटबॉल में बड़ा बदलाव

सबसे बड़ा फेरबदल ओलंपिक की फुटबॉल स्पर्धाओं में देखने को मिलेगा। आइओसी ने महिला फुटबॉल टीमों की संख्या बढ़ाकर 16 कर दी है, जबकि पुरुषों की घटाकर 12 टीम कर दी है। इसका बड़ा कारण यह है कि ओलंपिक में पुरुष टीमों में अंडर 23 खिलाड़ी उतरते हैं। ऐसे में स्टार खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में प्रशंसक इस ओर आकर्षित नहीं हो पाते हैं।

दक्षिण अमेरिका निकाय कॉनमेबोल ने टीमों की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव फीफा के सामने रखा

2030 फीफा विश्व कप में खेल सकती हैं 64 टीमें, विशेषज्ञों ने जताया प्रस्ताव पर ऐतराज

मोंटेवीडियो. एजेंसी

फीफा विश्व कप को 2030 में 100 साल पूरे हो जाएंगे, इस अवसर को फुटबॉल का दक्षिण अमरीकी शासी निकाय कॉनमेबोल यादगार बनाना चाहता है। इसके लिए कॉनमेबोल ने फुटबॉल की वैश्विक संस्था फीफा के सामने 2030 विश्व कप में टीमों की संख्या बढ़ाकर 64 करने का आधिकारिक प्रस्ताव रखा है। गौरतलब है कि 1930 में पहले फीफा विश्व कप की मेजबानी उरुग्वे ने की थी। 2030 विश्व कप के शुरुआती मैच उरुग्वे, अर्जेंटीना व पराग्वे में खेले जाएंगे, इसके बाद स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को शेष मैचों की मेजबानी करेंगे।

आलोचकों ने कहा... खराब विचार, खेल की गुणवत्ता पर पड़ेगा असर: 64 टीमों के प्रस्ताव को आलोचकों ने खारिज कर दिया है। उनका मानना है कि इतनी टीमों के विश्व कप में उतरने से खेल की गुणवत्ता पर असर पड़ेगा। हालांकि 64 टीमों तक विस्तार करने से संभवत्तः सभी 10 कॉनमेबोल सदस्य देशों को एक बड़े टूर्नामेंट में जगह मिल जाएगी। लेकिन इससे खेल का वह स्तर रह पाएगा या नहीं इसकी कोई गारंटी नहीं है। यूरोपीय फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष अलेक्जेंडर सेफेरिन ने इसे एक बुरा विचार बताया है।

ऐसा हो जाएगा फॉर्मेट: अगर फीफा इस प्रस्ताव को मंजूरी दे देता है तो फिर यह 128 मैचों का टूर्नामेंट बन जाएगा जो काफी लंबा हो जाएगा। 1998 से 2022 तक फीफा विश्व कप में 64 मैच होते रहे हैं।

104 मैच होंगे 2026 में: फीफा विश्व कप का सबसे बड़ा संस्करण 2026 में आयोजित होने जा रहा है, मेजबानी कनाडा, मैक्सिको और अमरीका करेंगे। इस संस्करण में 48 टीमों के बीच 104 मैच खेले जाएंगे।

खास होगा जश्न: कॉनमेबोल के अध्यक्ष एलेजांद्रो डोमिनगुएज ने गुरुवार को कॉनमेबोल कांग्रेस में इस प्रस्ताव को रखते हुए कहा कि 100 वर्ष का जश्न खास होगा। ऐसे मौके शताब्दी में एक बार आते हैं। इससे सभी देशों को अवसर मिलेगा। यह विचार पहली बार मार्च में फीफा परिषद की बैठक में उरुग्वे फुटबॉल के अध्यक्ष इग्नेसियो अलोंसो ने रखा था।

बैटिंग पिच पर आज आरआर और आरसीबी

नईदिल्ली, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में आज लगातार दूसरे दिन डबल हेडर (एक दिन में 2 मैच) खेला जाएगा। दिन के पहले मैच राजस्थान रॉयल्स का रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से सामना होगा। मैच राजस्थान के सवाई मानसिंह स्टेडियम में दोपहर 3ः30 बजे से खेला जाएगा। इस सीजन राजस्थान की टीम 5 में से लगातार 2 मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल में फिलहाल 7वें नंबर पर है। बेंगलुरु को 5 में से 3 मैचों में जीत और 2 में हार मिली है। दोनों टीमों ने उनके पिछले मुकाबले में हार मिली है। वहीं, दिन के दूसर मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स का सामना मुंबई इंडियंस से होगा। राजस्थान और बेंगलुरु के बीच आईपीएल में 32 मैच खेले गए। 14 में राजस्थान और 15 में बेंगलुरु को जीत मिली। दोनों के बीच 3 मैच बेनतीजा भी रहे। जयपुर में दोनों टीमों के बीच 9 मैच खेले गए, आरआर को 5 में और आरसीबी को 4 में जीत मिली। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 5 मैचों में 178 रन बनाए हैं। इसमें एक अर्धशतक शामिल है। गेंदबाज वनिंदु हसरंगा टीम के टॉप विकेट टेकर हैं। उन्होंने अपने 3 मैचों में कुल 6 विकेट लिए है। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में 35 रन देकर 4 विकेट हासिल किए थे।

फिल्स को हराकर अल्कारेज सेमीफाइनल में, अब फोकिना से मैच

मोंटे कार्लो. एजेंसी

मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस तीन सेट तक चले मुकाबले में जीते स्पेनिश खिलाड़ी

दूसरी वरीयता प्राप्त स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज ने मोंटे कार्लो मास्टर्स टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। अल्कारेज ने शुक्रवार को यहां खेले गए पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल मुकाबले में फ्रांस के आर्थर फिल्स को कड़े संघर्ष में 4-6, 7-5, 6-3 से हराकर अंतिम-4 का टिकट कटाया। अब सेमीफाइनल में अल्कारेज का सामना हमवतन खिलाड़ी एलेजांद्रो फोकिना से होगा। फोकिना ने क्वार्टरफाइनल में एलेक्सी पोपिरिन को 6-3, 6-2 से शिकस्त दी।

क्वार्टरफाइनल में हारे बोपन्ना-शेल्टन

टूर्नामेंट के पुरुष युगल क्वार्टरफाइनल में भारत के रोहन बोपन्ना और उनके अमरीकी जोड़ीदार बेन शेल्टन को हार का सामना करना पड़ा। बोपन्ना-शेल्टन की जोड़ी को मोनेगास्क रोमेन व मैनुअल गुइनार्ड ने 6-2, 4-6, 10-7 से हराकर बाहर कर दिया। 45 साल के बोपन्ना एटीपी के 1000 स्तर के टूर्नामेंट में अंतिम-8 तक पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं।

जानिए.... कितना आम है माइग्रेन

माइग्रेन होना सिरदर्द से कहीं ज्यादा तकलीफदेह होता है. क्या आपने कभी सोचा है कि ये दौरा ज्यादातर सुबह के समय ही क्यों पड़ता है? नई रिसर्च में इसके कारण का खुलासा हो गया है. माइग्रेन एक तरह का सिरदर्द होता है, जिसमें सिर के एक तरफ तेज दर्द होता है. ये दर्द चुभता हुआ महसूस होता है.

Life&Style METRO

जाने क्या है समस्या

अक्सर सुबह होने वाले माइग्रेन को कौन सी चीजें ट्रिगर करती हैं, इस बारे में वैज्ञानिकों को अब तक पूरी तरह से पता नहीं था. लेकिन अब जर्नल न्यूरोलॉजी में पब्लिश एक नई स्टडी में बताया गया है कि माइग्रेन का दौरा पड़ने के दो सबसे बड़े कारण क्या हैं. इस स्टडी से अब ये भविष्यवाणी करने में भी मदद मिल सकती है कि मरीज को अगला दौरा कब पड़ने वाला है और शायद इससे बचाव भी किया जा सकता है. नई स्टडी के बारें में विस्तार से बताया है. माइग्रेन बहुत आम है. रिसर्च से पता चला है कि अमेरिका में लगभग 12 फीसदी लोग माइग्रेन का अनुभव करते हैं. इसका मतलब है कि हर 10 में से 1 व्यक्ति माइग्रेन से पीड़ित होता है. यह महिलाओं में पुरुषों की तुलना में ज्यादा आम है. अनुमान है कि 18 फीसदी महिलाएं और 6 फीसदी पुरुष माइग्रेन का अनुभव करते हैं।

माइग्रेन दौरा कब पड़ने वाला है, ये कैसे पता करें?

शोधकर्ताओं ने यह जानने की कोशिश की कि क्या सिरदर्द होने से पहले लोगों के मूड, नींद, एनर्जी और तनाव के लेवल में कोई बदलाव होता है. जर्नल न्यूरोलॉजी में प्रकाशित एक नई स्टडी बताती है कि स्मार्टफोन ऐप्स या डायरी जिनकी मदद से उनकी नींद, व्यवहार और भावनात्मक स्थिति को ट्रैक किया जा सकता है, वो कुछ मरीजों में होने वाले सिरदर्द का पहले से पता लगा सकती हैं. अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों को सुबह माइग्रेन होता था, उनमें पिछले दिन एनर्जी लेवल कम पाया गया और रात की नींद भी अच्छी नहीं रही. दिलचस्प बात ये है कि चिंता और किसी तरह का मानसिक रोग होने का सीधा संबंध सिरदर्द से नहीं पाया गया, खासकर माइग्रेन होने की स्थिति में।

क्या सिरदर्द को रोका जा सकता है?

रिसर्च ये तो साबित नहीं कर पाया कि टेंशन या डिप्रेशन सीधे तौर पर सिरदर्द का कारण बनते हैं, लेकिन ये जरूर बताया गया है कि अच्छी नींद और एनर्जी का लेवल बनाए रखना कितना जरूरी है. माइग्रेन के दौरे के दौरान मितली व उल्टी जैसी समस्याएं नींद में परेशानी डाल सकती हैं. खानेपीने की आदतों व हार्मोन्स में बदलाव माइग्रेन को कैसे ट्रिगर करते हैं, इस पर इस रिसर्च में अभी ज्यादा जानकारी नहीं मिली है. न्यूयॉर्क में स्थित मोंटेफियोर मेडिकल सेंटर की माइग्रेन एक्सपर्ट जेलेना पावलोविक का कहना है कि माइग्रेन का सबसे कारगर इलाज है हर रात अच्छी नींद लेना।

बेटी के झूले से पिता ने लगाई फांसी

भोपाल। ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित खटीक कॉलोनी गली नंबर चार में शुक्रवार देर रात एक युवक ने साड़ी से बने झूले का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। घटना के समय उसकी पत्नी कमरे के बाहर बर्तन साफ कर रही थी। वह कमरे में पहुंची तो उसने पति को फांसी के फंदे पर लटके देखा था। पुलिस को उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार आकाश गजानंद सावदेकर पिता गजानंद सावदेकर (27) मूलतः अकोला महाराष्टः का रहने वाला था। गली नंबर-4, खटीक कॉलोनी में वह किराए का कमरा लेकर पत्नी और मासूम बेटी के साथ रह रहा था। उसके पड़ोस में उसके माता-पिता किराए के कमरे में रहते हैं। शुक्रवार रात आकाश ने पत्नी के साथा खाना खाया। इसके बाद पत्नी घर के बाहर आंगन में बर्तन साफ करने के लिए चली गई। पत्नी के साथ आकाश की बेटी भी थी। करीब पंद्रह मिनट बाद बर्तन धोने के बाद पत्नी कमरे में पहुंची तो आकाश को फांसी के फंदे पर लटका देखा। आकाश ने बेटी के लिए बांधे गए साड़ी के झूले में फांसी लगा ली थी। उसकी चीख पुकार सुनकर पड़ोस में रहने वाले आकाश के माता-पिता भी पहुंच गए थे। आकाश को फंदे से उतारकर अस्पताल ले गाया गया, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर उसे मृत घोषित कर दिया।

17 साल की नाबालिग से दुष्कर्म, एक साल तक दैहिक शोषण

भोपाल। स्टेशन बजरिया पुलिस ने 17 साल की नाबालिग की शिकायत पर मोहल्ले में रहने वाले 28 साल के युवक पर दुष्कर्म और दैहिक शोषण समेत पाक्सो एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। 12वीं में पढ़ने वाली नाबालिग का आरोप है कि करीब एक साल से आरोपी उसे शादी का प्रलोभन देकर दैहिक शोषण कर रहा था। पुलिस के अनुसार 17 साल की किशोरी थाना क्षेत्र में रहती है और 12वीं कक्षा में पढ़ती है। करीब एक साल पूर्व जून 2024 में उसकी दोस्ती मोहल्ले में रहने वाले 28 साल के रोहित उर्फ नीरज से हो गई थी। दोस्ती होने के कारण आरोपी उसे यहां वहां घुमाने लगा और अशोका गार्डन की एक होटल में लेकर पहुंचा था। वहां शादी का प्रलोभन देकर उससे शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता ने उसका विरोध किया तो वह कहने लगा कि जल्द ही शादी कर लेंगे। इसके बाद आरोपी उसका दैहिक शोषण करने लगा था। कुछ दिन पहले उसने पीड़िता से दूरी बना ली। बाद में वह फिर उसे मिलने का दबाव बनाने लगा। आरोपी से परेशान होकर पीड़िता ने परिजन को घटना की जानकारी दी थी। परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

युवक ने खुद को कमरे में बंद कर लगाई फांसी

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित नटराज कॉलोनी में शनिवार रात एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस आत्महत्या के कारण का पता लग रही है। पुलिस के अनुसार सौरभ पिता सुखदेव (22) नटराज कॉलोनी मिसरोद में रहता था। उसके साथ उसके माता-पिता भी रहते हैं। सभी लोग होटल में काम करते हैं। सौरभ के पिता सुखदेव ने पुलिस को बताया कि शनिवार शाम सौरभ ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। काफी प्रयास करने के बाद भी उसने कमरे का दरवाजा नहीं खोला। किसी तरह दरवाजा तोड़ा गया तो सौरभ फांसी के फंदे पर लड़का मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस में घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला। पुलिस का कहना है कि अभी परिजन बयान देने की स्थिति में नहीं है। उनके बयान दर्ज होने के बाद ही आत्महत्या के कारण पता चल सकेंगे।

घर से स्कूल जाने का कहकर टिफिन लेकर निकला था युवक

जहर खाकर युवक ने दे दी जान, पहली पत्नी की बेटी ने लगाया हत्या का आरोप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित अमराई परिसर में शुक्रवार रात एक व्यक्ति ने फिनाइल की गोलियां खा ली। उनकी पत्नी उन्हें अस्पताल लेकर पहुंची, वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। उनकी पहली पत्नी की बेटी ने दूसरी पत्नी पर हत्या के आरोप लगाए हैं। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

एसआई मुकेश स्थापक ने बताया कि राजू जाधव पिता माधव जाधव (50) सांई बाबा बोर्ड, हबीबगंज में रहते थे। उनके परिवार में पत्नी और बच्चे हैं। वे कलियासोत स्थित संस्कार व्हेली स्कूल में नौकरी करते थे। बीस साल पहले उन्होंने पहली पत्नी को तलाक दिए बिना दूसरी शादी अमराई परिसर में रहने वाली कमला से कर ली थी। वह अमराई परिसर में कमला के साथ रहते थे। गत बीस अप्रैल को कमला से उनका विवाद हुआ और परिजन उन्हें लेकर सांई बाबा बोर्ड लेकर चले गए। वह बीस मार्च से सांईबाबा बोर्ड में परिवार के साथ रह रहे थे। परिजन ने बताया कि शुक्रवार सुबह वह घर से टिफिन लेकर कलियासोत स्थित संस्कार व्हेली स्कूल जाने के लिए निकले थे।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भोपाल। बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित कोकता ट्रांस्पोर्ट नगर में शनिवार सुबह एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजन ने उसे कूलर के पास बेसुध अवस्था में देखा था। उसके हाथ में कूलर का प्लग फंसा हुआ था। अनुमान है कि उसकी मौत करंट लगने से हुई है। हालांकि यह पता नहीं चल सका है कि घटना के समय वह कूलर के पास क्या कर रही थी। पुलिस के अनुसार रचना बाई अहिरवार पति पर्वत सिंह अहिरवार (32) कोकता ट्रांस्पोर्ट नगर में रहती थी। परिजन ने बताया कि सुबह सभी अपने अपने काम कर रहे थे। पति पर्वत सिंह घर के बाहर था। करीब 9 बजे वे अंदर के कमरे में पहुंचे तो रचना बाई कूलर के पास बेसुध पड़ी नजर आई। उसके हाथ में कूलर का प्लग फंसा हुआ था और कूलर का पानी फैला हुआ था। हाथ में फंसा था कूलर का प्लग, पास पड़ा था पानी परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया है। परिजन से प्राथमिक पूछताछ की गई, लेकिन परिजन का कहना है कि सभी लोग बाहर थे, जबकि कमरे में रचना थी। उसे करंट कैसे लगा उन्हें जानकारी नहीं है।

आई-20 का ट्रायल लेने पहुंचे मैकेनिक की कार खंती में गिरी, मौत

भोपाल। ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित अरवलिया जोड़ तिराहा पर गौशाला के पास गत 9 अप्रेल की रात तेज रफ्तार कार पलटकर खंती में जा घुसी। इस हादसे में कार सवार मैकेनिक की मौत हो गई, जबकि उसके साथ बैठा हेल्पर घायल है। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार रिहान अली पिता राशिद अली (18) परेवाखेड़ा ईटखेड़ी में रहता था और चौरसिया ढाबा के पास बायपास पर अदनान भाई के कार गैरेज में काम करता था। अदनान के गैरेज के सामने एक अन्य गैरेज है। उक्त गैरेज के सामने दूसरे गैरेज में शाहिद पिता अली (21) निवासी गरम गड्ढा, थाना स्टेशन बजरिया काम करता है। शाहिद के गैरेज पर आई-20 कार रिपेयरिंग के लिए आई थी। कार का काम पूरा हो गया। रात करीब 11 बजे शाहिद कार लेकर अदनान के गैरेज पहुंचा। उसने रिहान से कहा कि चलो कार का ट्रायल लेकर आते हैं। राशिद के कहने पर रिहान उसके साथ कार में बैठ गया। कार शाहिद चला रहा था। दोनों कार का ट्रायल लेने बायपास पर अरवलिया जोड़ तक पहुंच गए। वहां तिराहा पर राशिद ने गौशाला के पास तेज रफ्तार में कार को टर्न कर दिया।

लापता युवक की जंगल में पेड़ पर लटकी मिली लाश

भोपाल। सुखी सेवनिया थाना क्षेत्र स्थित एकता झुग्गी से कुछ दूरी पर जंगल में युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। युवक दो दिन से लापता था। परिजन उसकी तलाश करते हुए जंगल पहुंचे थे, वहां युवक का शव गमछे के सहारे पेड़ पर लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। परिजन से पूछताछ में पता चला कि युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त था और अक्सर बिना बताए घर से लापता हो जाता था। पुलिस के अनुसार संजय गौड़ पिता कालूराम गौड़ (20) एकता नगर झुग्गी सुखी सेवनिया में रहता था। उसके पिता कालूराम गौर ने बताया कि गत 10 अप्रैल को वह सिरोंज चले गए थे। बेटा संजय और परिवार घर पर ही था। सिरोंज से वह शुक्रवार रात लौटे तो संजय उन्हें नजर नहीं आया।

असामाजिक तत्वों ने घर के बाहर खड़ी तीन कारों में की तोड़फोड़

ओम शिव नगर, नयापुरा लालघाटी की घटना, जैन नगर में भी दो कारों में तोड़फोड़

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित ओम शिव नगर नयापुरा लालघाटी में अज्ञात बदमाशों ने घर के बाहर खड़ी व्यापारी की कार में तोड़फोड़ कर दी। बदमाशों ने उनकी कार से कुछ दूरी पर खड़ी दो अन्य कार के भी कांच तोड़े है। तोड़फोड़ की आवाज सुनकर जब तक लोग बाहर आए आरोपी भाग चुके थे। बदमाशों ने जैन नगर में भी दो कार में तोड़फोड़ की है। देर रात घर के बाहर खड़े वाहनों में तोड़फोड़ से रहवासियों में दहशत का माहौल है। रहवासियों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने अज्ञात बदमाशों पर प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार 48 साल के खुशीलाल लेवा, ओम शिवनगर नयापुरा लालघाटी में रहते हैं और करोंद चौराहा पर खुली चाय की दुकान चलाते हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार वे घर पर सो रहे थे, तभी शुक्रवार-शनिवार की रात 1 बजे के आसपास उन्हें कांच टूटने की आवाज आई। वे बाहर निकले तो

उनकी टाटा विस्टा कार और पड़ोसी अक्षय की हुंडई सेंट्रो कार सहित पंकज शर्मा की हुंडई आईटेन के पास दो-तीन युवक खड़े नजर आए। आरोपी गालीगलौज कर रहे थे और तीनों कार के कांच तोड़ चुके थे। खुशीलाल ने तीनों युवकों को आवाज दी तो वह मौके से भाग निकले।

जैन नगर में कार में तोड़फोड़

खुशीलाल लेवा ने बताया कि गाड़ी में तोड़फोड़ की शिकायत लेकर वह पड़ोसियों के साथ थाने पहुंचे। वहां पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कर ली। इस दौरान पता चला कि बदमाशों ने जैन नगर में भी दो कार में तोड़फोड़ की है। खुशीलाल ने बताया कि उनकी किसी से दुष्मनी नहीं है। साथ ही पड़ोसियों ने भी बताया कि उनका भी किसी से कोई विवाद नहीं है। अनुमान है कि बदमाश यहां किसी की तलाश में आए थे और गाड़ियों में तोड़फोड़ कर फरार हो गए। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे

मासूम के साथ दुष्कर्म और हत्या से आक्रोशित हुए लोग

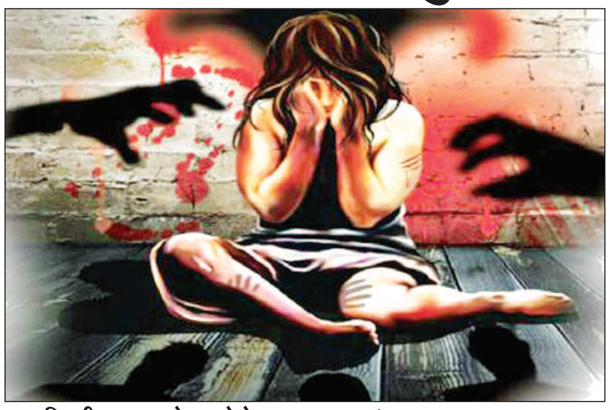

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

गत दिवस ग्राम नाहर कोला के टोला नयापुरा के मकान में सो रही 6 वर्षीय बालिका को आरोपी उठा कर ले गया और आधा किलो मीटर दूर नहर के किनारे ले जाकर बालिका के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी । परिजनों के बताए अनुसार पुलिस ने आरोपी को रात में ही गिरफ्तार कर पूछताछ की । आरोपी के बताने पर सुबह करीब 5ः00 बजे शव बरामद किया । दूसरी ओर बालिका के परिजनों और गांव वालों ने बालिका के शव को गांधी चौक पर रखकर करीब ढाई घंटे तक धरना दिया था और थाना प्रभारी अनूप सिंह उईके के लिखित आश्वासन देने के बाद ही धरना आन्दोलन समाप्त किया । ऐसे दिया घटना को अंजाम ग्राम नाहरकोला के टोला देवीपुरा की रहने वाली बालिका अपनी मां के साथ मामा के घर नयापूरा गई थी । जहां रात्रि 9ः बजे के दरमियान मॉ ने बच्चों को खाना खिलाने के बाद मकान के दहलान में सुला दिया । आरोपी दिन भर से फरियादी के मकान के आस पास मंडरा रहा था ।

मेट्रो एंकर

मई में होनी थी शादी, दहेज नहीं देने पर किया इंकार, तीन पर प्रकरण दर्ज

दहेज में पांच लाख रुपए और बुलेट की मांग कर रहे रेलकर्मी ने शादी तोड़ दी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दहेज में पांच लाख रुपए और बुलट की मांग कर रहे रेलकर्मी ने सगाई के बाद शादी तोड़ दी। दरअसल, अगले महीने मई में शादी की तारीख तय हुई थी, लेकिन एकाएक वर पक्ष ने शादी करने से इंकार कर दिया।

वधु पक्ष ने समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह मानने को तैयार नहीं थे। लिहाजा वधु पक्ष महिला थाने पहुंचा और मंगेतर, उसके बड़े भाई सहित होने वाली ननद के खिलाफ दहेज प्रताड़ना की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार मूलतः सागर निवासी 29 साल की युवती ऐशबाग क्षेत्र में किराए से रहती है। बीना जिला सागर में रहने वाले रेलकर्मी सुरेश कुशवाह से उसकी सगाई 17 जनवरी 2025 को हुई थी। मई में शादी की तारीख निकली थी। वधु पक्ष शादी की तैयारी में जुटा हुआ था। इधर, सगाई होने के बाद युवती और सुरेश के बीच मोबाइल पर बात होने लगी। बातचीत में सुरेश ने पिछले दिनों युवती से कहा कि उसके बड़े भाई भूपेन्द्र कुशवाह और बहन रेखा दहेज में पांच लाख रुपए नगद व बुलट बाइक मांग रहे हैं। युवती ने सुरेश से कहा कि सगाई के समय तो ऐसी कोई डिमांड नहीं थी, फिर अचानक यह डिमांड क्यों। युवती और उसके परिजन ने दहेज की मांग पूरी करने में असमर्थता जताई, जबकि वर पक्ष के लोग अपनी मांग पर अड़े रहे। पीड़ित पक्ष का कहना है कि घर में शादी की तैयारी जोर-शोर से शुरू हो चुकी थी। मैरिज गार्डन बुक करने से लेकर कैटरिंग और जरूरी शॉपिंग भी कर ली गई थी। इस बीच मार्च माह के अंत में वर पक्ष के लोगों ने रिश्ता तोड़ दिया। पुलिस का कहना है कि करीब 10-15 दिन वधु पक्ष के लोग वर पक्ष के लोगों को मनाने का प्रयास करते रहे लेकिन जब वे नहीं माने तो महिला थाने आकर प्रकरण दर्ज करा दिया। पुलिस ने सुरेश कुशवाह, भूपेन्द्र कुशवाह व रेखा कुशवाह पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022